सब का सपना

Tittle Code :-UPHIN 51223

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–01 अंक–03 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार, 13 नवबंर से 19 नवबंर 2023 पेज–08 मूल्य 5 रूपये

हाईवे जाम के मामले में शिक्षक विधायक समेत 18 आरोपी बरी

अमरोहा : हरित प्रदेश निर्माण की मांग को लेकर 16 साल पहले दिल्ली–लखनऊनेशनल हाईवे जाम करने के मामले में एमपी–एमएलए कोर्ट ने शुक्रवार को भाजपा के शिक्षक विधायक डा. हरि सिंह ढिल्लो और पूर्व विधायक हाजी मोहम्मद हयात समेत सभी 18 आरोपियों को बरी कर दिया। वर्ष 2007 में दर्ज हुए इस केस की सुनवाई के दौरान तीन आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है। इसके पहले अगस्त माह में कोर्ट ने शिक्षक विधायक समेत आठ आरोपियों के गैरजमानती वारंट जारी किए थे, तब यह मामला सुर्खियों में आया था। उधर, शिक्षक विधायक के बरी होने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने न्यायालय परिसर के बाहर खुशी का इजहार किया।

रालोद कार्यकर्ताओं ने हरित प्रदेश की मांग को लेकर 10 फरवरी 2007 को रजबपुर में दिल्ली–लखनऊनेशनल हाईवे पर जाम लगाया था। तब रालोद

के एमएलसी और मौजूदा भाजपा शिक्षक विधायक डा. हरि सिंह ढिल्लो समेत तत्कालीन रालोद जिलाध्यक्ष रामवीर सिंह, भाकियू के तत्कालीन जिलाध्यक्ष करतार सिंह, पूर्व विधायक हाजी मोहम्मद हयात, फिलहाल में मुरादाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति के अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, उनके भाई प्रणदीप चौधरी, पूर्व सपा जिलाध्यक्ष विजयपाल सैनी भी इस धरना–प्रदर्शन में शामिल थे। इनके अलावा मेहंदी हसन, रोमी शफात, शाहिद खेड़ी, सोमपाल सिंह, अतुल सिंह, धर्मवीर सिंह, शफीक सैफी, नदीम अब्बास, उदल सिंह, नदीम उस्मानी समेत स्थानीय अन्य पार्टी नेताओं ने भी जाम लगाया था। सभी हरित प्रदेश के निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। वहीं हाईवे पर जाम लगने के चलते वाहन चालक व यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा था।

मामले में थाना रजबपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष आईआर खान ने जाम लगाने में 18 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुकदमा एमपी–एमएलए कोर्ट में विचाराधीन था। कोर्ट ने तारीख पर हाजिर नहीं होने पर अगस्त माह में भाजपा के शिक्षक विधायक डा. हरि सिंह ढिल्लो समेत मुरादाबाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विजयपाल सैनी, शफीक सैफी, थान सिंह, सोमपाल, रोमी शफात, उदल सिंह एवं नदीम उस्मानी उर्फ आसिफ उस्मानी के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किए थे। उसी दौरान 16 साल पुराना यह मामला सुर्खियों में आया था। वहीं, केस की सुनवाई के दौरान भाकियू के जिलाध्यक्ष रहे करतार सिंह के अलावा सोमपाल सिंह और उदल सिंह की मृत्यु हो चुकी है। कोर्ट में शुक्रवार को इस केस की आखिरी सुनवाई हुई। आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता कपिल चिकारा, मतलूब सुब्हानी, गौरव सिंह, मुकेश कुमार और प्रदीप कुमार ने बचाव में अपना पक्ष रखा जबकि अभियोजन पक्ष मजबूत साक्ष्य पेश नहीं कर पाया।

संक्षेप खबरें

पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने पर दिया जोर

अमरोहा :

भाजपा जिला कार्यालय पर लोकसभा अमरोहा संचालन समिति की बैठक लोकसभा संयोजक व माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश गोला एवं पार्टी जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने ली। कहा कि बूथ प्रवासी पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ हर बूथ पर प्रवास करें। मतदाता पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया। नवीन त्यागी, हिमांशु त्यागी, ओम प्रकाश, मनोज शर्मा, सतीश अग्रवाल, रमेश कलाल, वीर सिंह, सैनी ईश्वर चंद्र, अनुराग दुबे, पिंकी रानी, सुरेंद्र औलख, उमा नागर, चरण सिंह, मनीष दक्ष, पुष्कर लाल गुप्ता, अवनीश शरण बंसल आदि मौजूद रहे।

उर्दू दिवस पर डा.महताब अमरोहवी अवार्ड से सम्मानित

अमरोहा : अल्लामा इकबाल की यौमे विलादत यानी उर्दू दिवस पर यूनाइटेड मुस्लिम आफ इंडिया एवं उर्दू डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन की ओर से गुरुवार को दिल्ली स्थित गालिब एकेडमी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उर्दू की खिदमात के लिए अमरोहा निवासी डा.महताब अमरोहवी को अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अख्तर उल वासे ने डा.महताब अमरोहवी की उर्दू जुबान के लिए खिदमात की सराहना की। शुक्रवार को अमरोहा पहुंचने पर स्थानीय संस्था कारवाने खुलूस के अध्यक्ष महबूब हुसैन जैदी, साहित्यकार डा.मिस्बाह अहमद सिद्दीकी, सैय्यद तनवीर हसन नकवी, अली आबिदी, कैसर मुज्तबा व शीबान कादरी ने सम्मानित होने पर डा.महताब अमरोहवी को मुबारकबाद दी।

मिस कॉल से शुरूहुई लव स्टोरी, नाबालिग ने युवती संग पार कर दी सारी हदें

अमरोहा : यूपी के अमरोहा जिले में छह महीने पहले मिस कॉल से एक युवती और नाबालिग की लव स्टोरी शुरू हुई। बातों की बातों में दोनों के बीच प्यार हो गया। दोनों का प्यार इस कदर बढ़ा कि युवती और नाबालिग ने मिलकर सारी हदें पार कर दीं। दोनों में शारीरिक संबंध भी बने। अब युवती शादी की जिद पर अड़ गई और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। मामले में अभी पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है। पंचायत में समझौते का प्रयास जारी है।

हसनपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीय किशोर गजरौला के कॉलेज में बी–फार्मा प्रथम वर्ष का छात्र है। वहीं बदायूं जिले की निवासी युवती भी क्षेत्र में संचालित एक अन्य कॉलेज की छात्रा है। दोनों गजरौला में अलग–अलग जगह किराये के मकान में रहते हैं। करीब छह माह पहले मोबाइल पर गलत नंबर लगने के बाद आई मिस काल से दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। आरोप है कि इस बीच छात्र ने युवती के साथ शारीरिक संबंध भी बना लिए। इसके बाद युवती ने शादी करने का दबाव बनाया तो वह मुकर गया।

अब युवती किशोर के साथ ही शादी की जिद पर अड़ी है।युवती का कहना है कि शादी करूंगी तो सिर्फ उसी से। युवती ने किशोर पर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। मामले ने तूल पकड़ा तो दोनों ही पक्षों के बीच पंचायत का सिलसिला शुरू हो गया, जिससे मामले को निपटाया जा सके। तहरीर मिलने पर आगे जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही।

ग्राहकों ने की बाजारों में धनवर्षा, खिल उठे चेहरे

अमरोहा : शुक्रवार को धनतेरस पर्व पर ग्राहकों ने बाजारों में धनवर्षा की। व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे। उत्साह संग मनाए गए पर्व के बीच बर्तन, सर्राफा, कपड़ा, इलेक्ट्रानिक बाजार के साथ ही ऑटोमोबाइल शोरूम पर ग्राहकों की दिनभर भीड़ जुटी रही। देर रात तक बाजारों में खरीदारी का सिलसिला जारी रहा। वहीं त्योहार पर जिलेभर में 20 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान लगाया गया है।

शुक्रवार को धनतेरस पर्व जिलेभर में उत्साह संग मनाया गया। खरीदारों की भीड़ से बाजार सुबह से ही गुलजार रहे। जिलेभर में 15–20 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार का अनुमान लगाया गया है। शहर समेत आसपास देहात क्षेत्रों में भी लोगों ने खूब खरीदारी की। कपड़ा, बर्तन, सर्राफा, मोबाइल, इलेक्ट्रानिक दुकानों पर दिनभर ग्राहकों की भीड़ जुटी रही। वहीं कार, बाइक की बिक्री भी हुई। घर की साज–सज्जा से जुड़े उत्पादों के साथ ही पारंपरिक खील–बताशे की बिक्री भी हुई। भीड़ के बीच हालत यह रही कि व्यापारियों को दिनभर बैठने तक की फुर्सत नहीं मिल सकी। शुभ मानते हुए अधिकांश लोगों ने सोने–चांदी के सिक्के, अंगूठी व अन्य गहनों के साथ ही तांबा, पीतल एवं कांसे के बर्तन खरीदे। वहीं देव

प्रतिमाओं संग साज–सज्जा से जुड़े उत्पादों की भी खूब बिक्री रही। इसके साथ ही त्योहार पर जिलेभर में एक हजार से अधिक बाइक व 100 से अधिक कारों की बिक्री का भी अनुमान है। टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन समेत अन्य घरेलू उपकरणों के साथ रंग–बिरंगी लाइट, झालर आदि की बिक्री भी हुई। मिठाई, आतिशबाजी की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। व्यापारियों ने भी दुकानों को अच्छे से सजाते हुए बाहर तक उत्पादों को लगाया। सुरक्षा के मद्देनजर सभी प्रमुख बाजारों में पुलिस टीमें लगातार गश्त करती रहीं।

भीड़ की वजह से दिनभर बाजारों में लगा रहा जाम

अमरोहा : इस बार धनतेरस पर्व पर गजरौला में करीब ढाई करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि कारोबारी इससे ज्यादा कारोबार होने की उम्मीद लगाए बैठे थे। कारोबारियों का कहना है कि अभी दीपावली बाकी है ऐसे में कारोबार के और भी अच्छा होने की उम्मीद है। वहीं शनिवार को भी धनतेरस पर्व के लिए खरीदारी की जाएगी।

धनतेरस पर्व को लेकर गजरौला के कारोबारी बीते कई दिन से तैयारी कर रहे थे। शुक्रवार सुबह से ही बस्ती मार्ग पर बर्तन की दुकानों पर खरीदारी करने वालों की भीड़ लगी रही। इसके अलावा ज्वैलर्स की दुकानों पर भी काफी भीड़ देखी गई। कपड़े की दुकानों के अलावा फड़ लगाकर सामान बेचने वालों के पास भी ग्राहकों का जमावड़ा लगा रहा। गिफ्ट भी खूब खरीदे गए। इलेक्ट्रानिक्स, बाइकों के शोरूम पर भी भीड़–भाड़ देखी गई। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय संगठन मंत्री सुबोध सिंघल ने बताया कि धनतेरस पर इस बार शहर में तीन करोड़ रुपये के करोबार का अनुमान है। वहीं व्यापारी नेता नवीन गर्ग ने धनतेरस पर करीब ढाई करोड़ रुपये के कारोबार की बात कही।

धनतेरस पर बाजारों में दिनभर लोगों की भीड़ रही। ऐसे में बाजारों में जाम की स्थिति भी बनती रही। हालत यह रही कि पैदल निकलना तक मुश्किल रहा। शहर के इंदिरा चौक, खाद गुर्जर चौराहा, चौपला, बस्ती मार्ग, ललिता देवी मार्ग के अलावा अन्य स्थानों पर भी जाम की समस्या बनी। वाहन चालक एवं राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

उज्ज्वला योजना : लाभर्थियों को दिया गैस सिलेंडर व चेक

अमरोहा : जिले में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस सिलेंडर व चेक दिया गया। कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीएम राजेश कुमार त्यागी ने कहा कि जिले में एक लाख 51 हजार लाभर्थियों को योजना का लाभ मिलेगा। लखनऊमें आयोजित मुख्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया।

डीएम ने कहा कि सरकार ने महिलाओं की सुविधा एवं स्वास्थ्य को मद्देनजर रखते हुए योजना की शुरुआत की है। अब हर परिवार की महिलाएं आसानी से स्वच्छ ईधन के साथ घर की रसोई में भोजन बना सकेंगी। जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र योजना में शामिल होने से न छूटे। विधायक मंडी धनौरा विधायक राजीव तरारा ने भी योजना समेत केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व सुरेंद्र सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी पूरन सिंह चौहान समेत अन्य संबंधित अधिकारी–कर्मचारी व लाभार्थी मौजूद रहे।

तिगरी गंगा मेला : बनेगा दस बैड का अस्थायी अस्पताल, 40 चिकित्सकों की लगेगी ड्यूटी

अमरोहा : तिगरी गंगा मेले में मरीजों के उपचार के लिए दस बेड का अस्थायी अस्पताल भी संचालित किया जाएगा। इसके लिए जरूरी सामान की मांग जिला अस्पताल को भेज दी गई है।

तिगरी गंगा मेले की शुरुआत में कुछ ही दिन का समय शेष है। ऐसे में तैयारियां में भी तेजी आई है। शौचालयों का निर्माण पूरी रफ्तार के साथ चल रहा है। वाच टावर भी बनाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। मेला परिसर में मेला कोतवाली के सामने दस बैड का अस्थायी अस्पताल बनाने का निर्णय लिया गया है।

स्थानीय सीएचसी अधीक्षक डा.योगेंद्र सिंह के मुताबिक मेला क्षेत्र में संचालित की जाने वाली अस्थायी सीएचसी में 40 चिकित्सकों के साथ ही 15 फार्मासिस्ट, वार्ड ब्वाय, स्वीपर, स्टाफ नर्स आदि की ड्यूटी भी लगाई जाएगी। दस एंबुलेंस भी हर वक्त उपलब्ध रहेंगी। छह एंबुलेंस मेला स्थल,

एक एंबुलेंस कांकाठेर मार्ग, एक एंबुलेंस कुमराला चौकी के पास खड़ी रहेगी। बताया कि निजी एंबुलेंस चालकों से भी बात की जा रही है। जरुरत पड़ने पर उनकी मदद भी ली जाएगी।गजरौला। शुक्रवार को दिनभर रुक–रुककर बारिश होती रही। इसके चलते मेले की तैयारियों को भी रोकना पड़ा। मेला स्थल पर सड़कों को बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है। शौचालय बनाने का काम भी चल रहा है। शुक्रवार को बारिश की वजह से काम रोक दिया गया।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

अमरोहा : शिवाला रोड स्थित लाला पुरुषोत्तम शरण बालिका इंटर कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रदर्शनी व स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत व विज्ञान में नवाचार से संबंधित मॉडलों का प्रदर्शन किया।

उद्घाटन पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी व तुषित गुप्ता ने किया। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। वैज्ञानिक सोच, अभिरुचि, जागरूकता व नवाचारों को विकसित करने में विज्ञान प्रदर्शनी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रधानाचार्या अंकिता शर्मा ने कहा कि विश्व विज्ञान दिवस का उद्देश्य लोगों को वैज्ञानिक खोजों के बारे में जानकारी देना व विज्ञान के प्रति समझ को विकसित करना है। तुषित गुप्ता, अर्पण गुप्ता, डा.अविनाश शर्मा, सुखदेवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य

परम सिंह ने विज्ञान मॉडल का अवलोकन किया। सीनियर वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता में साक्षी, नुशरा, दीक्षा, जूनियर वर्ग में वैष्णवी, राधिका, हिमांशी, विज्ञान में नवाचार मॉडल सीनियर वर्ग में पल्लवी, कशिश, आयुषी जूनियर वर्ग में वंशी, मंजुल, आयुष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। अजीम, अंशिका, मुस्कान, इशांत, लवकेश, त्रिश, ऋतिक, रोहित, अलफिजा, हिमांशी को सांत्वना पुरस्कार दिया। नीति अग्रवाल, डोली अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, रेनू अग्रवाल, ज्योत्सना गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शिवाला रोड स्थित लाला पुरुषोत्तम शरण बालिका इंटर कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रदर्शनी व स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत व विज्ञान में नवाचार से संबंधित मॉडलों का प्रदर्शन किया।

डायल 112 महिलाकर्मियों का धरना जारी

मुरादाबाद / लखनऊः उत्तर प्रदेश पुलिस की डायल 112 यूनिट की महिला कर्मचारियों का धरना आज छोटी दीपावली के मौके पर छठे दिन भी जारी है। महिला कर्मचारियों का कहना है कि सरकार जब तक उनकी मांग को नहीं मान लेती तब तक यह प्रदर्शन समाप्त नहीं करेंगी।

वहीं दूसरी ओर पुलिस ने आज इको गार्डन धरना स्थल का गेट भी बंद कर दिया है। यहां सामान्य एंट्री भी बंद कर दी गई है। हालांकि गेट बंद करने को लेकर पुलिस का कहना है कि त्योहार के चलते दो दिन के लिए ऐसा किया गया है बाकी कोई अगरी आदेश नहीं है। वहीं दूसरी ओर डायल 112 के समर्थन में उतरी सपा नेता पूजा शुक्ला के ऊपर एफआईआर दर्ज होते ही आज उन्हें इको गार्डन में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई, वह डायल 112 की कर्मचारियों से मिल नहीं सकी। वहीं आज पुलिस ने कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया की वे घर लौट जाएं, लेकिन कर्मचारियों ने कहा दिवाली यही धरने पर मनाएंगे।

पुलिस ने इको गार्डन का गेट बंद करने के साथ-साथ अंदर से भी बैरिकेडिंग की है।

बताया जा रहा है कि पुलिस को इस बात की जानकारी मिली थी कि डायल 112 की महिला कर्मचारी आज विधानसभा की और कुछ करने वाली थी, इसके बाद बैरिकेटिंग और गेट बंद करने की कार्रवाई की गई। आकांक्षा ने कहा हमारी सरकार से कोई लड़ाई नहीं है हम चाहते हैं कि बस हमारी बात आकर सुन लें। सरकार से हमें पूरी उम्मीद है क्योंकि हम उन्हीं के लिए काम कर रहे थे।

करंट की चपेट में आकर महिला की मौत

संभलः गुन्नौर थाना क्षेत्र में घर की छत पर कपड़े सुखा रही महिला का पैर बिजली के तार से छू गया। करंट लगने से महिला की मौत हो गई। मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

थाना क्षेत्र के गांव मखदूमपुर निवासी संतोष (26 वर्ष) पत्नी सोमेश मंगलवार को दोपहर कपड़े सुखाने के लिए छत पर पहुंची। छत के बराबर से ही हाइटेंशन लाइन गुजर रही है। छत पर सोमेश के घर का ही बिजली का तार पड़ा था। तार में करंट प्रवाहित हो रहा था। कपड़े सुखाते वक्त संतोष का पैर बिजली के तार से टच हो गया।

करंट लगने से संतोष नीचे गिर गई। इस बीच फाल्ट की तरह तेज आवाज हुई तो परिजन दौड़कर मौके पर पहुंचे। परिजन आनन फानन संतोष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डॉक्टर ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। छत पर सोमेश के घर का ही बिजली का तार पड़ा था। तार में करंट प्रवाहित हो रहा था।

संक्षेप खबरें

भदोही में 15 लाख से अधिक कीमत के अवैध पटाखों समेत दो गिरफ्तार

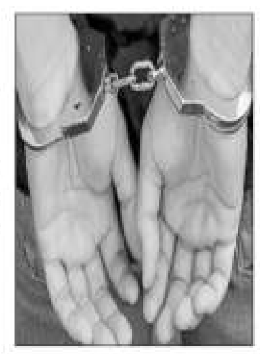

भदोही। जिले के गोपीगंज थाना क्षेत्र के एक मकान में बने गोदाम पर पुलिस ने छापा मारकर अवैध रूप से पटाखों का भंडारण करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ 15 लाख रुपये से अधिक मूल्य के पटाखे बरामद किये हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। गोपीगंज थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को सोनखरी में एक मकान पर पुलिस ने छापा मारा तो संतोष यादव और अंकुर बरनवाल घर की छत से कूदकर भागने लगे, जिन्हें पुलिसकर्मियों ने घेरकर पकड़ लिया। श्रीवास्तव ने बताया कि पूछताछ के बाद खोजीबन के दौरान मकान में बने एक बड़े गोदाम से पेटियों और बोरों में रखे गये अत्यंत खतरनाक किस्म के अवैध पटाखे बरामद किये गये जिन्हें एक ट्रक के जरिये पुलिस थाना ले आया गया। श्रीवास्तव ने बताया कि पकड़े गये दोनों आरोपियों के पास किसी भी तरह का कोई लाइसेंस नहीं है, लेकिन दोनों वर्षों से बड़े पैमाने पर पटाखा बेचने का काम कर रहे हैं। उन्?होंने कहा कि दोनों गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। श्रीवास्तव ने बताया कि बरामद किये गये पटाखे की कीमत 15 लाख रुपये से ज्यादा आंकी गई है।

दुकान में नकब लगाकर पांच लाख की बैटरी चोरी

संभल : कोतवाली के मालगोदाम रोड पर चोरों ने दुकान में नकब लगा लिया। चोर नकब लगाकर करीब पांच लाख की बैटरी व अन्य सामान चोरी कर ले गए। जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। दुकान स्वामी ने चोरी की तहरीर कोतवाली में दी है।

मोहल्ला गोलागंज निवासी मोहम्मद इरफान पुत्र मोहम्मद हुसैन की मालगोदाम रोड पर बैटरी की काफी बड़ी दुकान है। मोहम्मद इरफान गुरुवार की रात आठ बजे दुकान बंद करके घर चला गया था। शुक्रवार की सुबह पौने नौ बजे उसने आकर दुकान खोली तो दुकान में नकब लगा देखा। चोरों ने रेलवे के मालगोदाम की ओर से दुकान में पीछे नकब लगा लिया। रेलवे के मालगोदाम में काफी बड़ा मैदान है और रात में सन्नाटा पसरा रहता है। चोर दुकान में नकब लगाकर छोटी बड़ी करीब 200 बैटरी चुरा ले गए। जिनकी कीमत पांच लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा चोरी सीसीटीवी कैमर की डीवीआर, वाई फाई की डिवाइस भी चुरा ले गए। साथ ही चोरी करते समय सीसीटीवी कैमर के मुंह घुमा दिया।

चोरी की वारदात से आसपास के दुकानदारों में भय व्याप्त है। मोहम्मद इरफान ने चोरी की तहरीर कोतवाली में दी है। पुलिस की सुस्ती के चलते चोरों के हौसले बुलंद बने हुए है। इसस पूर्व शहर में दो मेडीकल की दुकानो में नकब लगाकर चोर लाखो की चोरी को अंजाम दे चुके है।

जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। चोरी की वारदात से आसपास के दुकानदारों में भय व्याप्त है। मोहम्मद इरफान ने चोरी की तहरीर कोतवाली में दी है। पुलिस की सुस्ती के चलते चोरों के हौसले बुलंद बने हुए है। इसस पूर्व शहर में दो मेडीकल की दुकानों में नकब लगाकर चोर लाखों की चोरी को अंजाम दे चुके है।

गन्ना लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटा, दो घायल

संभल : नगर पंचायत सिरसी के बिलारी मार्ग पर गन्ना लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। जिसमें चालक परिचालक घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने यातायात को सुचारू कराया और घायलों को उपचार के लिए भेज दिया।

जनपद मुरादाबाद के गांव रसूलपुर निवासी ट्रक चालक कल्लू शुक्रवार को परिचालक शबाबुल के साथ रसूलपुर अड्डे स्थित गन्ने के सेंटर से गन्ना लादकर बिलारी चीनी मिल ले जा रहा था। जैसे ही वह सिरसी स्थित बिलारी मार्ग पर करबला शर्की सादात मोड़ पर पहुंचा तो अचानक से ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। जिसमें चालक परिचालक घायल हो गए। ट्रक पलटने यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए चिकित्सक के पास भेजवाया।

उसके बाद में पुलिस ने यातायात को सुचारू कराया। गनीमत रही उस समय सड़क पर कोई वाहन नहीं आ रहा था। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।जैसे ही वह सिरसी स्थित बिलारी मार्ग पर करबला शर्की सादात मोड़ पर पहुंचा तो

अचानक से ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।

जिसमें चालक परिचालक घायल हो गए। ट्रक पलटने यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए चिकित्सक के पास भेजवाया। उसके बाद में पुलिस ने यातायात को सुचारू कराया।

प्लाईवुड फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों रुपए की लकड़ी जलकर राख

बरेली, । फरीदपुर में प्लाईवुड फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। जिससे वहां भगदड़ मच गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया लेकिन तब लाखों रुपये की लकड़ी जलकर राख हो गई।

राजेंद्रनगर निवासी सुभाष बंसल और साहिल बंसल की फरीदपुर थाना क्षेत्र में अंधरपुरा गांव स्थित प्लाईवुड फैक्ट्री है। शनिवार सुबह शॉर्ट सर्किट से वहां आग लग गई। फैक्ट्री से धुआं निकलता देख लोगों को आग लगने की जानकारी हुई जिसके बाद आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। फैक्ट्री कर्मचारियों ने मालिक और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सीओ फरीदपुर समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां बरेली से और दो गाड़ियां फरीदपुर से पहुंचीं। दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक आग से लाखों रुपये की लकड़ी जलकर राख हो गई। फैक्ट्री मालिक भी मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि नुकसान का आकलन करके रिपोर्ट दी जाएगी। फैक्ट्री में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। फिलहाल टीम ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बाल गृह से फरार दो बालिकाएं संभल से बरामद, भटकते समय पुलिस के लगी हाथ

मुरादाबादः आशियाना में स्थित बाल गृह (बालिका) से मंगलवार शाम को फरार हुई तीनों लड़कियों की बरामदगी हो गई है। जिसमें से दो शुक्रवार को संभल जिले से बरामद हुई जबकि एक गुरुवार को मिल गई थी।

उन्होंने बताया कि दोनों लड़कियां संभल में भटक रही थी। सूचना मिली तो पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। बाल गृह (बालिका) कांठ रोड पर स्थित मोरा की मिलक में संचालित हो रहा है। संभल में बरामद हुई ठाकुरद्वारा क्षेत्र की दोनों लड़कियों ने चाइल्ड केयर समिति के सामने दिए गए अपने बयान में बताया है कि वह वार्डन की मेज पर रखी चाबी से ताला खोलकर बाल गृह से फरार हुई थी।

मुरादाबाद। सुरक्षा के कमजोर प्रबंध का फायदा उठाकर बालिकाओं के भाग जाने में मामले के मद्देनजर शासन ने कड़ा कदम उठाया है। जिसमें बाल गृह (बालिका) की बालिकाओं को लखनऊ व कानपुर बाल गृह बालिका में शिफ्ट करने आदेश दिये हैं। इससे मुरादाबाद बाल गृह बालिका का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। बाल गृह बालिका में सुरक्षा के इंतजाम मजबूत करने के लिए पूर्व में कई उच्चाधिकारियों ने निरीक्षण के बाद कागजी कार्रवाई की थी। अब सुरक्षा व्यवस्था में विफल संस्था का महिला कल्याण विभाग निदेशालय लखनऊने अनुबंध निरस्त कर दिया है। साथ ही बाल गृह बालिका में रहने वाली 40 बालिकाओं को 20-20 की संख्या में अब लखनऊऔर कानपुर में शिफ्ट किया जाएगा।

इस निर्णय के बाद बाल गृह बालिका मुरादाबाद का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी ने बताया कि जुलाई 2022 को भारत उत्कर्ष सेवा समिति ने पांच साल के लिए अनुबंध कराया था। उन्होंने बताया कि मैंने डीपीओ के नाते व डीडीओ, एडीएम सिटी और विधिक सेवा प्राधिकारी ने भी वहां कई बार निरीक्षण किया। जिसमें हर बार संस्था की संचालिका अनीता चौहान को सुरक्षा के मद्देनजर सुरक्षा गार्ड बढ़ाने के लिए लिखित रूप निर्देशित किया। इसके बाद भी बालिकाओं की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया।

जम्मू से मजदूरों को लेकर रायबरेली जा रही बस पलटी, बाल-बाल बचे श्रमिक

मुरादाबादः जम्मू-कश्मीर के बड़गांव से मजदूरों को उनके घर छोड़ने जा रही मिनी बस मुरादाबाद में आकर रामपुर दोराहा के पास पानी भरे नाले में पलट गई। सुबह नौ बजे के दौरान हुए हादसे का कारण बस चालक ने साइड में चल रहे बाइक सवार को बचाने का बताया है। घटना में एक श्रमिक घायल हुआ है। जानकारी मिलते ही कटघर थाना क्षेत्र की काशीपुर तिराहा पुलिस चौकी इंचार्ज ओम शुक्ल, लैपर्ड-20 और उनकी टीम मौके पर पहुंची और बस में फंसे मजदूरों को निकाल कर सुरक्षित किया। घायल श्रमिक को सनराइज हॉस्पिटल में भर्ती कराया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। चौकी इंचार्ज ने क्रेन बुलाकर बस को भी नाले से निकलवाया। यही नहीं, पुलिस ने दो ईको वैन की व्यवस्था कराकर मजदूरों को उनके जिला रायबरेली के लिए रवाना भी कर दिया है। उधर, हादसे में क्षतिग्रस्त हुई बस में चालक शब्बीर रामपुर दोराहा पर ही देर शाम तक मरम्मत कराता रहा।

बस चालक शब्बीर पुत्र अब्दुल रहमान श्रीनगर का रहने वाला है। उसने बताया कि वह मजदूरों को लेकर मंगलवार शाम को बड़गांव से रायबरेली के लिए निकला था। बस (जेके-03सीएस-5196) में कुल 13 मजदूर बैठे थे। ये सभी ईंट भट्टे पर काम करते हैं। यह मजदूर रायबरेली जिले के रहने वाले हैं। दिवाली पर्व से पहले अपने घर जा रहे थे। रास्ते में जहां नींद आती तो बस चालक और मजदूर रुककर सो जाते थे। ये सभी सफर के तीसरे दिन सुबह नौ बजे के दौरान मुरादाबाद पहुंचे थे। दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर रामपुर दोराहा के पास आकर नईमी एक्सपोर्ट के सामने उनकी बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर पड़ोस के पानी भरे नाले में पलट गई। चालक ने बताया कि उसकी बस के पड़ोस में बाइक सवार भी तेज गति से ओवरटेक कर रहा था। इसी के बचाव में बस अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकराकर पलटी। चालक ने बताया कि उसने बस को पलटने से बचाने के चक्कर में गति को नियंत्रित भी किया, इसीलिए किसी मजदूर को चोट नहीं आई लेकिन, एक श्रमिक आशीष पुत्र जागेश्वरी (25) घायल हुआ है।

रोडवेज बस में महिला यात्री के बैग से उड़ाए पांच लाख के जेवर

संभल/चन्दौसी, । त्योहारों की सरगर्मियां शुरु हो गई हैं। रोडवेज बसों व ट्रेनों में भीड़ भाड़ होने के साथ ही उचक्के सक्रिय हो गए हैं। रोडवेज बस में महिला के बैग से पांच लाख के सोने के जेवर चोरी हो गए। घटना उस समय हुई जब महिला अपनी ननद के साथ मुरादाबाद से बदायूं अपनी ससुराल जा रही थी। घटना के बाद महिला अपने परिवार के साथ कोतवाली पहुंची और बस में सवार एक व्यक्ति पर चोरी का शक जाहिर करते हुए तहरीर दी है। जनपद बदायूं के गांव कोठा निवासी सौरभ पुत्र सतेंद्र पाल अपनी पत्नी तुमुल के साथ मुरादाबाद के प्रकाश नगर में रहता है। वह मेडिकल स्टोर चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। बुधवार की सुबह नौ बजे तुमुल अपनी ननद अंजलि पत्नी किशन वीर निवासी

मजदूरी करने गए ग्रामीण की बागपत में संदिग्ध मौत

संभल : बागपत जनपद के ईंट भट्टे पर मजदूरी करने गये हयातनगर क्षेत्र के गांव निवासी मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मजदूर का शव पेड़ पर लटका मिला है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन बागपत रवाना हो गये। थाना क्षेत्र के गांव बबैना का रहने वाला 45 वर्षीय उदयवीर अपने साले रामखिलाड़ी के साथ बागपत जनपद के कैलोर में भट्टे पर मजदूरी करने गया था। रात को सभी मजदूर काम करने के बाद ईंट भटटा परिसर में ही बने आवासों में सो गये थे। बुधवार को मजदूर काम पर निकले तो उदयवीर का शव जंगल में पेड़ पर लटका हुआ देखा। जानकारी मिलने पर उदयवीर का साला रामखिलाड़ी भी उस जगह पहुंचा जहां उदयवीर का शव पेड़ पर लटका था।

मुरादाबाद : दिवाली पर माहौल बिगाड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

मुरादाबाद : धनतेरस और दिवाली पर्व पर सुरक्षा के मामले में पुलिस कोई भी कोताही नहीं बरत रही है। शुक्रवार को धनतेरस पर्व होने से पुलिस ने सुबह से ही बैंकों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का हाल जाना। बैंक के आसपास मौजूद लोगों में जो संदिग्ध लगे, उनसे पूछताछ की और उनके पास मौजूद प्रपत्रों की जांच की।

बैंक के अंदर और बाहर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की गतिविधियों को भी पुलिस अधिकारियों ने जांचा। इसी तरह जिला मुख्यालय से लेकर कस्बा तक की बाजारों में पुलिस दिनभर गश्त करती रही। गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना, एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया, एसपी ग्रामीण संदीप कुमार मीना ने पुलिस बल के साथ सर्राफा व अन्य बाजारों में जाकर गश्त की थी। इन लोगों ने शुक्रवार शाम को भी बाजार में जाकर पैदल गश्त की है। वहां ड्यूटी पर मौजूद लोगों को हर समय चौकन्ना रहने के निर्देश दिए हैं। पैदल मार्च के समय पुलिस अधिकारियों ने सर्राफा व अन्य व्यापारियों से भी सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया है।एसएसपी हेमराज मीना ने बताया कि बाजार में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं। इसके अलावा सर्राफा, ऑटोमोबाइल व अन्य व्यापारियों के शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति बाजार में या भी जिले में कहीं पर भी दिवाली पर्व पर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की तो पुलिस की कार्रवाई से बच नहीं पाएगा। पूरे जिले में 20,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं। इनमें जन सामान्य की गतिविधियां कैद हो रही हैं। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि महानगर को 15 सेक्टर में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। बाजार में 52 पिकेट बनाकर पुलिस और पीएसी के जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। यही नहीं, महानगर में 25 ऐसी ऊंची इमारत चिह्नित की गई हैं, जहां रूफटॉप के तौर पर जवान ड्यूटी पर तैनात किए गए हैं। इन स्थानों से सशस्त्र पुलिसकर्मी बाजार की गतिविधियों पर निगरानी रख रहे हैं।

संभल : सौतेले पिता ने बेटियों को जमीन पर पटका, एक की मौत...दूसरी गंभीर

संभल : हयातनगर थाना क्षेत्र में पत्नी से खाने को लेकर कहासुनी के बाद शराब के नशे में धुत सौतेले पिता ने बेटियों को कमरे में बंद कर दो साल की मासूम बेटी को पटककर मार डाला जबकि पांच साल की दूसरी बच्ची को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। एसपी ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली।

सरायतरीन के मोहल्ला नवादा में शाइस्ता ने दो माह पहले अपराधिक छवि वाले अपने पति चांद को छोड़कर अशरफ उर्फ मुन्ना से निकाह कर लिया था। शाइस्ता अपनी दो बेटियों 2 साल की जन्नत व 5 साल की मंतशा के साथ अशरफ के साथ रह रही थी। निकाह के बाद पता चला कि अशरफ भी शराब पीने का आदी था।

गुरुवार रात 10 बजे के बाद अशरफ घर में आया तो खाना बनाने को लेकर शाइस्ता के साथ उसकी कहासुनी हो गई। कहासुनी के बाद अशरफ ने पत्नी को कमरे से बाहर निकाल दिया जबकि दोनों बेटियों जन्नत व मंतशा को अपने पास रोककर कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। शाइस्ता का कहना है कि अशरफ ने जन्नत को जमीन पर पटका और मंतशा पर भी हमला किया। किसी तरह दरवाजा खुलवाया गया तो अंदर दो साल की जन्नत अंदर मृत पड़ी थी जबकि मंतशा घायल थी। मंतशा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीओ जितेंद्र सरगम व एसपी कुलदीप सिंह गुनावत मौके पर पहुंचे। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। सीओ जितेंद्र सरगम ने बताया कि अशरफ उर्फ मुन्ना के खिलाफ बेटी की हत्या का मामला दर्ज किया जा रहा है।

धनतेरस पर पूरे देश में 27 हजार करोड़ रुपए का सोना बिका, बाजार में रहा उत्साह

नई दिल्ली

धनतेरस के मौके पर पूरे देश के बाजारों में गजब की रौनक नजर आई। धनतेरस से शुरू हुए पंचदिवसीय दीप महोत्सव के त्योहारों पर बाजारों में उत्साह है। तो ट्रेडर्स फेडरेशन के मुताबिक धनतेरस पर पूरे देश में 50,000 करोड़ रुपए से ज्यादा कारोबार देखने को मिला है। जिसमें 27,000 करोड़ रुपए के सोने या उसकी ज्वेलरी की लोगों ने खरीदारी की है।

■ 3,000 करोड़ रुपए के करीब चांदी या उसके सामानों की बिक्री हुई

ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मीथ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि धनतेरस पर सोने-चांदी और अन्य कीमती वस्तुओं का लगभग 30,000 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ है। सोने और सोने की ज्वेलरी के सेल्स का आंकड़ा 27,000 करोड़ रुपए का रहा है। 3,000 करोड़ रुपए के करीब चांदी या उसके सामानों की बिक्री हुई है। पिछले वर्ष 2022 में धनतेरस सोने-चांदी का 25,000 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था।

बाजार में 50,000 करोड़ रुपए का कारोबार देखने मिला

देशभर में 50,000 करोड़ रुपए का कारोबार

ट्रेडर्स फेडरेशन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक अनुमान के मुताबिक देश भर में धनतेरस के मौके पर 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार हुआ है जबकि केवल राजधानी दिल्ली में ही 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार हुआ है।

41 टन सोने की बिक्री

2022 में सोने के दाम 52000 रुपए प्रति 10 ग्राम था जबकि उस बार यह 62,000 रुपए प्रति 10 ग्राम में मिल रहा है। चांदी पिछली दिवाली पर 58,000 रुपए किलो के भाव पर बिका था जो इस वर्ष 72,000 रुपए प्रति किलो पर है। एक अनुमान के मुताबिक धनतेरस पर देश में लगभग 41 टन सोना और तकरीबन 400 टन चांदी के गहने और सिक्के की बिक्री हुई है।

बर्तन, इलेक्ट्रानिक उपकरण की भारी मांग रही

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि बाजारों में गजब की रौनक रही और लोग सोने-चांदी के साथ श्री गणेश जी, श्री लक्ष्मी जी, श्री कुबेर जी की मूर्तियां अथवा चित्रों को खरीद रहे थे। बर्तन, रसोई के उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुएं सहित झाड़ू खरीदने को शुभ माना जाता है तो इसकी भी भारी मांग रही। दिवाली के लिए मिट्टी के दीये, बंदनवार, घर एवं ऑफिस को सजाने की वस्तुओं, फर्निशिंग फैब्रिक, दिवाली पूजन सामग्री भी खूब बिकी।

खबर संक्षेप

कोल इंडिया का लाभ 12.5 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 12.5 प्रतिशत बढ़कर 6,799.77 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का शुद्ध लाभ 6,043.55 करोड़ रुपये था। सूचना में कहा कि जुलाई-सितंबर, 2023 तिमाही में एकीकृत बिक्री बढ़कर 29,978.01 करोड़ रुपये हो गई।

सेल का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 1,305.59 करोड़ रुपए

सेल SAIL
Steel Authority of India Limited

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 1,305.59 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 329.36 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी की कुल आय सालाना आधार पर 26,642.02 करोड़ रुपये से बढ़कर 29,858.19 करोड़ रुपये हो गई।

अपोलो हॉस्पिटल्स के लाभ में इजाफा

चेन्नई। अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइजेज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 294.8 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।अपोलो हॉस्पिटल्स का एकल आधार पर शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 279.1 करोड़ रुपये रहा था।

सोने में 250 रुपए की तेजी चांदी 700 रुपए मजबूत

नई दिल्ली। सोने में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट थम गई। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोना 250 रुपये की तेजी के साथ 61,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

रिलायंस ने 7.79 प्रतिशत दर पर 20,000 करोड़ रुपए जुटाए

Reliance

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बांड जारी कर 7.79 प्रतिशत ब्याज पर 20,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। किसी गैर-वित्तीय भारतीय कंपनी का यह सबसे बड़ा बॉन्ड निर्गम है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कूपन यानी ब्याज दर सरकार की उधारी लागत से 0.4 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के 10-साल के बॉन्ड 7.79 प्रतिशत ब्याज पर बेचे गए।

एलआईसी के शुद्ध लाभ में 50 फीसदी की गिरावट

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 50 प्रतिशत घटकर 7,925 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी का बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 15,952 करोड़ रुपये रहा था। शुद्ध प्रीमियम आय चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में घटकर 1,07,397 करोड़ रुपये रही जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,32,631.72 करोड़ रुपये थी।

शोध संस्थान जीटीआरआई ने किया आगाह

हानिकारण प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की खपत रोकने कड़े कदम उठाए भारत

नई दिल्ली

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में ट्रांस वसा, चीनी और नमक की मात्रा पर कानूनी सीमाएं लगाने की भी सिफारिश की। साथ ही सख्त खाद्य लेबलिंग कानूनों को लागू करने की भी वकालत की, जिससे उपभोक्ताओं को अपने बारे में स्पष्ट, समझने योग्य जानकारी मिले और वे सोच-समझकर उत्पाद का चयन कर पाएं।

कड़े नीतिगत उपायों की सिफारिश

जीटीआरआई ने कहा, 'खाद्य एवं कृषि संगठन की खाद्य तथा कृषि स्थिति (एसओएफए) रिपोर्ट पर गौर करते हुए जीटीआरआई भारत में हानिकारक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती खपत को रोकने के लिए अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों पर कराधान तथा मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान सहित कड़े नीतिगत उपायों की सिफारिश करता है।

154 देशों की स्थिति के बाद रिपोर्ट तैयार

इस रिपोर्ट को 154 देशों की स्थिति पर गौर करने के बाद तैयार किया गया है। इसमें संकेत दिया गया कि वैश्विक स्तर पर कृषि खाद्य प्रणालियां सालाना कम से कम 10000 अरब अमेरिकी डॉलर की छिपी हुई लागत में योगदान करती हैं। इसमें कहा गया कि भारत में यह प्रति वर्ष 450 अरब अमेरिकी डॉलर है।

सरकार को देश में हानिकारक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती खपत को रोकने के लिए नुकसानदेह खाद्य पदार्थों पर कर बढ़ाने और मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान चलाने जैसे कड़े नीतिगत कदम उठाने चाहिए। शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही।

नुकसानदेह खाद्य पदार्थों पर कर बढ़ाया जाए

अभियान चलाकर नीतिगत कदम उठाए सरकार

ट्रांस वसा, चीनी और नमक की मात्रा पर सीमा लगाए

इन आहार से मोटापा होता है

जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, 'अस्वास्थ्यकर आहार खासकर अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, वसा तथा शर्करा से भरपूर पदार्थ के साथ देश की लड़ाई इन छिपी हुई लागतों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं।' उन्होंने कहा कि रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि इस तरह के आहार से मोटापा और गैर-संचारी रोग होते हैं।

आहार क्रांति की आवश्यकता : परिणामस्वरूप उत्पादकता में काफी कमी आती है। अस्वास्थ्यकर आहार के कारण भारत की छिपी हुई लागत सकल घरेलू उत्पाद का 7.2 प्रतिशत होने का अनुमान है। आहार क्रांति की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक जरूरी है।

स्नैक्स पर उच्च कर लागू करने का आग्रह

जीटीआरआई ने 'उपभोग को हतोत्साहित करने के लिए 'अल्ट्रा-प्रोसेस्ड' खाद्य पदार्थों, शर्करा युक्त पेय व उच्च वसा वाले 'स्नैक्स' पर उच्च कर लागू लगाने का आग्रह किया। यह कुछ देशों में लगाए गए चीनी कर के समान हो सकता है।'

विकट चुनौती का सामना करना पड़ रहा

श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार को पर्यावरणीय प्रबंधन, स्वास्थ्य चेतना तथा सामाजिक समानता को अपने नीतिगत ढांचे में एकीकृत करके कृषि खाद्य प्रणालियों के पैमाने को संतुलित करने के लिए एक विकट चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

चीन के सबसे बड़े बैंक पर रैंसमवेयर का हमला

बीजिंग

■ अमेरिका के ट्रेजरी बाजार में हुआ कारोबार ठप

चीन के सबसे बड़े बैंक के वित्तीय सेवा विभाग ने कहा कि उस पर किए गए रैंसमवेयर यानी साइबर हमले से अमेरिका के ट्रेजरी बाजार में कारोबार कथित तौर पर ठप पड़ गया।

इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना (आईसीबीसी) का वित्तीय सेवा विभाग वित्तीय संस्थानों का व्यापार और अन्य सेवाएं संभालता है। उसकी वेबसाइट पर शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि बैंक पर इस हफ्ते हुए रैंसमवेयर हमले ने कुछ सिस्टम को बाधित कर दिया था। हालांकि, हमले के प्रभाव को सीमित करने के लिए उसने प्रभावित सिस्टम के कुछ हिस्सों को 'डिस्कनेक्ट' कर दिया। न्यूयॉर्क स्थित बैंक ने कहा कि वह हमले की जांच कर रहा है और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी इसकी सूचना दे दी गई है। उसने कहा कि बुधवार को निष्पादित सभी ट्रेजरी लेनदेन और बृहस्पतिवार को रेपो वित्तपोषण लेनदेन को मंजूरी दे दी गई।

लॉकबिट का हाथ होने की रिपोर्ट

बैंक के मुताबिक, रैंसमवेयर हमले से आईसीबीसी की बैंकिंग, ईमेल और अन्य प्रणालियां प्रभावित नहीं हुईं। उसने हमले के पीछे लॉकबिट का हाथ होने संबंधी रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। लॉकबिट रूसी भाषा बोलने वाला एक रैंसमवेयर सिंडिकेट है।

अंतिम घंटे में खरीदारी से शेयर बाजार में तेजी

मुंबई

■ सेंसेक्स 72 अंक और निफ्टी में 30 अंक की बढ़त

■ वाहन, आईटी और प्रौद्योगिकी शेयरों में रही तेजी

कारोबार के अंतिम घंटे में वाहन, आईटी और प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 72 अंक से अधिक लाभ में रहा। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बावजूद घरेलू बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान काफी समय तक नुकसान में था। अंत में 72.48 अंक यानी 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64,904.68 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 30.05 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,425.35 अंक पर बंद हुआ।

शुक्रवार को समाप्त संवत वर्ष 2079 के दौरान बीएसई सेंसेक्स 5,073.02 अंक यानी 8.47 फीसदी उछला, जबकि निफ्टी 1,694.6 अंक यानी 9.55 फीसदी चढ़ गया। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 43.81 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़कर 3,20,29,232.24 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। साप्ताहिक आधार पर, बीएसई सेंसेक्स 540.9 अंक या 0.84 प्रतिशत लाभ में रहा जबकि निफ्टी 194.75 अंक यानी एक प्रतिशत मजबूत हुआ। मानक सूचकांकों पर वैश्विक बाजार का असर है क्योंकि अमेरिकी केंद्रीय बैंक को भरोसा नहीं है कि हेडलाइन मुद्रास्फीति नियंत्रण में है और बांड प्रतिफल बढ़ रहा है। इन चिंताओं के बावजूद, बाजार ने मजबूत प्रतिरोध दिखाया है।

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स शेयरों में एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और पावर ग्रिड प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाइटन और इंडसइंड बैंक शामिल हैं।

यात्री और तिपहिया वाहनों की रही रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली

त्योहारी सीजन की मजबूत मांग के दम पर अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

■ त्योहारी मांग के दम पर अक्टूबर में बेहतरीन रही बिक्री

अक्टूबर में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 3,89,714 इकाई रही। अक्टूबर 2022 में यह 3,36,330 इकाई थी। इसी तरह तिपहिया खंड में भी अक्टूबर में अभी तक की सबसे अधिक 76,940 इकाइयों की मासिक आपूर्ति की गई। यह संख्या पिछले साल से 42 प्रतिशत अधिक है, जब 54,154 इकाइयों की आपूर्ति की गई थी। वाहन बनाने वाली कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, 'यात्री वाहनों तथा तिपहिया वाहनों दोनों ने अक्टूबर में अभी तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। दोपहिया वाहन खंड ने भी अक्टूबर 2023 के महीने में अच्छी बिक्री दर्ज की।'

उद्योग के लिए उत्साहजनक स्थिति

अग्रवाल ने बताया कि सभी तीन खंडों ने दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है और यह वृद्धि गति उद्योग के लिए उत्साहजनक है। यह सरकार की अनुकूल नीतियों और त्योहारी सीजन से मुमकिन हो पाया है। अक्टूबर में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 18,95,799 इकाई हो गई, जो पिछले साल समान महीने में 15,78,383 इकाई थी।

गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों की तेजी से बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली। अनिश्चित समय के दौरान सुरक्षित निवेश माने जाने वाले गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की ओर निवेशकों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ी है। उन्होंने अक्टूबर में इन निवेश योजनाओं में 841 करोड़ रुपये निवेश किये, जबकि इससे पिछले महीने में यह आंकड़ा 175 करोड़ रुपये था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में गोल्ड ईटीएफ का परिसंपत्ति आधार भी बढ़ गया।

दिवाली धनतेरस के मौके पर सोने और चांदी की खरीदारी शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ शुरू हुई। सोने की कीमतों में नरमी के साथ उपभोक्ता मांग में सुधार के चलते इसमें तेजी हुई।

पतंजलि ने नेपाल में भूकंप पीड़ित परिवारों के लिए राहत सामग्री भेजी

■ नेपाल के भूकंप पीड़ितों का सहारा बना पतंजलि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हरिद्वार

नेपाल के विनाशकारी भूकंप से सैकड़ों लोगों की जीवनलीला समाप्त हो गई परन्तु इस प्राकृतिक आपदा के कारण जिनका जीवन संघर्षमय हो गया है उनके लिए तो हम कुछ कर ही सकते हैं। हमें आपदा पीड़ितों के लिए आगे आना चाहिए और यथासम्भव सहयोग करना चाहिए। इसी भाव से पतंजलि आपदा के समय नेपालवासियों का सहारा बनकर सामने आया है। पतंजलि के द्वारा नेपाल में भूकंप पीड़ितों के लिए जरूरी सामान तथा खाद्य सामग्री लेकर आठ ट्रक रवाना किए गए हैं। पतंजलि फूड पार्क से पतंजलि के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रामदेव जी महाराज तथा महामंत्री आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने झण्डी दिखाकर ट्रकों को रवाना किया। इस अवसर पर आचार्य जी ने कहा कि आपदा के समय सबसे बड़ी चुनौती पीड़ितों के जीवन यापन के लिए दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति कराना होती है। पतंजलि इस संकट की घड़ी में नेपाल के भूकंप पीड़ितों का सहारा बना है। पतंजलि ने लगभग 50 टन राहत सामग्री के रूप में टेंट, कम्बल, बर्तन, आटा, चावल, दालें, तेल, नमक, मसाले, साबुन, तिरपाल इत्यादि रवाना किए हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का लाभ 2,348 करोड़ रुपए

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ छह प्रतिशत बढ़कर 2,348 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले साल समान अवधि में शुद्ध लाभ 2,209 करोड़ रुपये रहा था। एमएंडएम की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में राजस्व सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 34,436 करोड़ रुपये हो गया। एमएंडएम के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनीश शाह ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि टेक महिंद्रा के लिए यह तिमाही कठिन रही, लेकिन कंपनी अब कारोबार में बदलाव लाएगी। मोटर वाहन उद्योग में दूसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व सालाना आधार 20 प्रतिशत बढ़कर 18,869 करोड़ रुपये रहा।

ग्राहकों को खरीदारी करने पर ज्यादा वारंटी का लाभ मिलेगा

सरकार ने कसा पेंच, अब आपको मिलेगी ज्यादा वारंटी का लाभ

नई दिल्ली

सरकार ने उपभोक्ताओं को एक बड़ी राहत दी है। विभिन्न व्हाइट गुड्स जैसे टीवी, फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन आदि के मामले में अब ग्राहकों को खरीदारी करने पर ज्यादा वारंटी का लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार ने कंपनियों को वारंटी की प्रक्रिया में जरूरी बदलाव करने के लिए कहा है।

■ कंपनियों को वारंटी की प्रक्रिया में बदलाव करने को कहा

रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने व्हाइट गुड्स बनाने वाली कंपनियों को अपनी गारंटी व वारंटी नीति में संशोधन करने के लिए कहा है। सरकार का कहना है कि वारंटी की शुरुआत सामानों की बिक्री की तारीख से नहीं होनी चाहिए। इसकी जगह पर वारंटी की शुरुआत इंस्टॉलेशन की तारीख से होनी चाहिए।

इन कंपनियों को गया लेटर

रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने इस संबंध में कई व्हाइट गुड्स मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों और उद्योग संगठनों को पत्र लिखा है। जिन्हें सरकार की ओर से पत्र लिखा गया है, उनमें सीआईआई, फिक्की, एसोचैम और पीएचडीसीसीआई जैसे 6 उद्योग संगठन शामिल हैं। उनके अलावा सैमसंग, एलजी, पैनासोनिक, ब्लू स्टार, केंट, व्हर्लपूल, वोल्टास, बॉश, हैवेल्स, फिलिप्स, तोशिबा, डाइकिन, सोनी, हिताची, आईएफबी, गोदरेज, हायर, यूरेका फोर्ब्स और लॉयड जैसी कंपनियों को भी सरकारी पत्र मिला है।

त्योहारों में हो रही खूब बिक्री

सरकार ने व्हाइट गुड्स पर गारंटी व वारंटी को लेकर संशोधन की यह जरूरी पहल ऐसे समय की है, जब देश में इन सामानों की मांग चरम पर है। आम तौर पर हर साल दीपावली के आस-पास त्योहारी सीजन सेल में टीवी, एसी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन आदि जैसे व्हाइट गुड्स की डिमांड जोरों पर रहती है। सरकार के इस दखल से ऐसे सामानों की खरीदारी कर रहे ग्राहकों को अधिक वारंटी का सीधा फायदा होने वाला है।

अभी ग्राहकों को ये नुकसान

सरकार का कहना है कि व्हाइट गुड्स ऐसे सामान होते हैं, जिन्हें एक्सपर्ट के द्वारा इंस्टॉल कराए जाने की जरूरत होती है। जब तक एक्सपर्ट के द्वारा उन्हें इंस्टॉल नहीं किया जाता है, ऐसे सामान ग्राहकों के पास बिना इस्तेमाल के पड़े रहते हैं। ऐसे में जब बिक्री की तारीख से वारंटी का समय शुरू हो जाता है तो ग्राहकों को बिना वजह समय का नुकसान होता है। इस कारण कंपनियों को इंस्टॉलेशन की तारीख से वारंटी की शुरुआत करनी चाहिए।

सितंबर में औद्योगिक उत्पादन 5.8 % बढ़ा

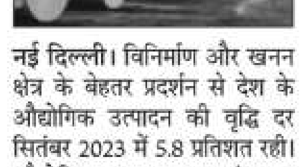

नई दिल्ली। विनिर्माण और खनन क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर सितंबर 2023 में 5.8 प्रतिशत रही। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक पर आधारित औद्योगिक उत्पादन इससे पिछले महीने यानी अगस्त 2023 में 10.3 प्रतिशत और एक साल पहले सितंबर 2022 में 3.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। यानी मासिक आधार पर इसमें गिरावट आई है लेकिन सालाना आधार पर अच्छी वृद्धि है। सालाना आधार पर विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के उत्पादन में सुधार देखा गया।

पंजाब में पराली जलाने के 100 से अधिक नए मामले, कुल संख्या बढ़कर 23 हजार के पार

चंडीगढ़ : पंजाब में शनिवार को पराली जलाने के 104 मामले सामने आए, जिसके साथ ही ऐसे मामलों की कुल संख्या 23,730 हो गई, जबकि हरियाणा और पंजाब में वायु गुणवत्ता सूचकांक 'संतोषजनक' और 'मध्यम' श्रेणी में रहा। पंजाब में पराली जलाने के हालिया मामलों की संख्या राज्य में कुछ दिन पहले की तुलना में काफी कम है। अक्टूबर और नवंबर में दिल्ली में वायु प्रदूषण के स्तर में खतरनाक वृद्धि के पीछे पंजाब और हरियाणा में धान की पराली जलाना एक कारण माना जाता है। पंजाब में शुक्रवार को पराली जलाने के केवल छह मामले सामने आए थे क्योंकि राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई।

शनिवार को राज्य के केवल 10 जिलों में पराली जलाने के 105 मामले सामने आए। लुधियाना में स्थित पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, संगरूर जिला 43 मामलों के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद मनसा में 22, फाजिल्का में 13, फतेहगढ़ साहिब में आठ, लुधियाना और मुक्तसर में चार–चार, मालेरकोटला, पटियाला और बठिंडा में तीन–तीन और फिरोजपुर में एक मामला सामने आया है। वर्ष 2021 और 2022 में एक ही दिन में राज्य में पराली जलाने के क्रमशः 4,156 और 3,916 मामले सामने आए थे। पंजाब में 15 सितंबर से 11 नवंबर तक पराली जलाने के 23,730 मामले सामने आए हैं। इनमें संगरूर 4,249 मामलों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद फिरोजपुर में 2,260, तरनतारन में 1,908, मनसा में 1,837, पटियाला में 1,556 और अमृतसर में 1,459 मामले सामने आए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इस मौसम में पराली जलाने की कुल 23,730 घटनाएं हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज की गई घटनाओं की तुलना में 42 प्रतिशत कम हैं। पिछले वर्ष इस अवधि में 40,677 मामले सामने आए थे। राज्य में 2021 में इसी अवधि के दौरान पराली जलाने की 47,409 घटनाएं सामने आई थीं। इस बीच, हरियाणा और पंजाब में वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। दोनों राज्यों में एक्यूआई 'बहुत खराब' और 'गंभीर' श्रेणियों में देखा जा रहा था।

हरियाणा के गुरुग्राम में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 198 दर्ज किया गया, इसके बाद फरीदाबाद में 167, पानीपत में 124, भिवानी में 109, सोनीपत में 88, कैथल में 81, रोहतक में 73, सिरसा और जींद में 70–70 और फतेहाबाद में 68 दर्ज किया गया।

नौकरी न मिलने पर युवक ने उठाया खौफनाक कदम, पहले मोबाइल के स्क्रीन से काटा गला फिर ट्रेन के आगे कूदा

कानपुरः यूपी के कानपुर से एक दर्दनाक मामला सामने आया है। जहां जॉब न मिलने पर एक शख्स ने आत्महत्या करनी चाही। दरअसल नौकरी की तलाश में अपने ममेरे भाई के कहने पर आए बिहार का युवक कानपुर आया था। लेकिन जब उसे नौकरी नहीं मिली तो उसने खौफनाक कदम उठा लिया। हतास होकर सबसे पहले उसने मोबाइल तोड़कर उसकी स्क्रीन से अपना गला काट लिया। फिर लहूलुहान हाल में प्लेटफॉर्म पर ट्रेन आता देख उसके आगे कूद गया।

गनीमत यह रही कि आस–पास खड़े वेंडरों ने ट्रैक से उतारकर ट्रेन आने के पहले ही बचा लिया। वहीं रेलवे के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करके उर्सला अस्पताल भेज दिया। दूसरी ओर युवक ममेरे भाई द्वारा फोन पर रिस्पांस न करने से भी काफी आहत था। आरपीएफ दरोगा असलम ने बताया कि शुक्रवार को उसे अस्पताल में भर्ती कार दिया गया। वह काफी तनाव में था। हालांकि फिलहाल वह खतरे से बाहर है।

आरपीएफ को घरवालों ने बताया कि बिहार के अररिया जिला का रहने वाला 23 साल का मोहम्मद शानू पिछले कई महीनों से नौकरी की तलाश में भटक रहा था। दो दिन पहले वह ममेरे भाई के कहने पर कानपुर आ गया। गुरुवार शाम वह कानपुर सेंट्रल पहुंचा। जहां उसने ममरे भाई को फोन किया तो उसने जवाब दिया कि यहां काम नहीं मिलेगा। खुद के साथ धोखे से आहत होकर वह स्टेशन पर ही घूमता रहा।

संक्षेप खबरें

दिवाली पर रात 10 बजे तक चलेगी दिल्ली मेट्रो, टाइमिंग में हुआ बदलाव

नई दिल्ली : दीपावली के दिन रविवार (आज) एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) की सभी सभी लाइनों पर सिर्फ रात 10 बजे तक ही मेट्रो सेवा मिलेगी। डीएमआरसी के अधिकारियों का कहना है कि सुबह से मेट्रो ट्रेनों का परिचालन अपने पूर्व निर्धारित समय से ही होगा। ध्यान रहे कि सामान्य दिनों में एयरपोर्ट के टर्मिनल स्टेशन से आखिरी ट्रेन रात 11.59 मिनट तक चलती है। जबकि अन्य रूट पर रात 11 बजे तक मेट्रो का परिचालन होता है लेकिन दीपावली के चलते मेट्रो परिचालन के समय को रात के समय में घटाया गया है, जिसकी जानकारी डीएमआरसी ने तीन दिन पहले भी साझा की थी।

दिवाली के दिन रविवार को दिल्ली मेट्रो की आखिरी ट्रेन अपनी सभी लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से रात 10 बजे रवाना होगी। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इसमें एयरपोर्ट लाइन भी शामिल है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने कहा, 'दिवाली के त्योहार के मौके पर, 12 नवंबर को आखिरी मेट्रो सेवा सभी लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से (रात 11 की बजाय) रात 10 बजे रवाना होगी।

कोहरे के कारण 29 फरवरी तक अब नही चलेंगी ये ट्रेनें

कानपुर : रेल प्रशासन ने कोहरे को देखते हुए 8 ट्रेनों को 1 दिसंबर से 29 फरवरी तक रद्द करने का निर्णय लिया है। वहीं कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस को छह दिन के बजाय हफ्ते में तीन दिन चलाया जाएगा। यह ट्रेन 1 तारीख से सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलेगी। वहीं इन ट्रेनों में एडवांस रिजर्वेशन करा चुके यात्रियों को नियमानुसार रिफंड मिल जाएगा।

1 दिसंबर से 29 फरवरी तक नई दिल्ली–सोगरिया एक्सप्रेस (20452–20451) रद्द रहेगी। वहीं 22198 वीरांगा लक्ष्मीबाई झांसी–कोलकता साप्ताहिक ट्रेन 1 दिसंबर से 23 फरवरी तक के लिए कैंसिल है। ऐसे ही चित्रकूट धाम–कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस (22441–22442) 1 दिसंबर से 29 फरवरी तक और मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस (12538–12537) 4 दिसंबर से 28 फरवरी तक के लिए रद्द है।

1123 दिसंबर में 4,7,11, 14, 18, 21, 25, 28। जनवरी में 1, 4, 8, 11, 15, 18, 22, 25, 29 और फरवरी में 1, 5, 8, 12, 15, 19, 22 और 26 को नहीं चलेगी। बरौनी–ग्वालियर एक्सप्रेस 11124 दिसंबर में 5, 8, 12, 15, 19, 22, 26, 29। जनवरी में 2, 5, 9, 12, 16, 19, 23, 26, 30 और फरवरी में 2, 6, 9, 13, 16, 20, 23, 27 नहीं चलेगी। ऐसे ही कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस 12033–12034 दिसंबर में 2, 5, 7, 9, 12, 14, 16, 19, 21, 23, 26, 28, 30। जनवरी में 2, 4, 6, 9, 11, 13, 16, 18, 20, 23, 25, 27, 30 और फरवरी में 1, 3, 6, 8, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29 तारीख को अपने गंतव्य स्थान के लिए नहीं चलेगी।

गोमतीनगर से गोरखपुर होते हुए पुरी के लिए स्पेशल ट्रेन शुरू, नए साल में रेगुलर चलाने की तैयारी

एनसीआर के पीआरओ के मुताबिक कानपुर सेंट्रल–चित्रकूट धाम 22441–22442 निरस्त रहने से 14109 चित्रकूट धाम–कानपुर सेंट्रल का संचालन 1 दिसंबर से 29 फरवरी तर बदले समय से होगा। ये ट्रेन चित्रकूट से 16.10 बजे से चलकर कानपुर सेंट्रल रात के 21.35 पर आएगी।

बीच सड़क पर दारोगा से भिड़ गईं दो युवतियां, थाने में ईंट से पुलिस पर कर दिया हमला

अलीगढ़ : यूपी के अलीगढ़ में एक ऐसा नजारा देखने को मिला जो इससे पहले कहीं भी सुनाई या दिखाई नहीं दिया। दिवाली के त्योहार से ठीक पहले कुछ दो लड़कियों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। इन लड़कियों को जब पुलिस समझाने पहुंची तो उन्होंने बखेड़ा खड़ा कर दिया और नारेबाजी करने लगीं। इतना ही नहीं बीच सड़क पर दोनों लड़कियां एक दारोगा से भिड़ गईं। विशेष समुदाय की दोनों युवतियों ने धार्मिक व फलस्तीन के समर्थन में नारेबाजी की। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर मेडिकल परीक्षण कराया। मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार दोनों युवतियों सर्राफा बाजार पहुंची और फिर बाजार में घूमती रहीं। कुछ देर बाद अचानक से धार्मिक नारेबाजी शुरू कर दी। धर्म विशेष के लोगों को अपशब्द कहकर अपमानित करने लगीं। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज नितिन राठी मौके पर पहुंचे और दोनों युवतियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मानी। देखते ही देखते उन्होंने अपना हंगामा और तेज कर दिया।

नशे में धुत दोनों युवतियों को जब समझाने का प्रयास किया गया तो उल्टा हमलावर हो गई। दोनों युवतियों ने पुलिस पर कई बार हमला बोला। थाने के अंदर की दोनों युवतियां ईंट लेकर पुलिस को मारने का प्रयास किया। इतना ही नहीं चौकी इंचार्ज को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी तक दे डाली। इस ड्रामे में शामिल एक युवती एएमयू की छात्रा बताई जा रही है। इसको लेकर पुलिस ने एएमयू से संपर्क साधा है। एएमयू की ओर से रात तक स्पष्ट नहीं किया गया कि युवती एएमयू छात्रा है। धनौली थाना क्षेत्र के तिगोड़िया गांव में लक्ष्मी प्रतिमा स्थापित करने के लिए ले जाते समय रास्ते में एक धर्मस्थल पर अबीर पड़ जाने पर दो समुदायों के बीच में विवाद हो गया। दोनों तरफ से जमकर ईंट–पत्थर चले जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दर्जन भर लोगों को हिरासत में ले लिया है। तिगोड़िया में युवकों द्वारा काली माता मंदिर परिसर में लक्ष्मी प्रतिमा स्थापित की जा रही थी।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में दो बहनों की खुदकुशी मामले में एक्शन

आगरा : आगरा के ब्रह्माकुमारी आश्रम में दो बहनों की खुदकुशी करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दोनों बहनों के साथ से मिले सुसाइड नोट में जिन चार आरोपियों पर लगाया गया था, पुलिस ने उनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी नीरज अभी भी फरार है। पुलिस नीरज की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। बतादें कि शुक्रवार की रात दो सगी बहनों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। खुदकुशी से पहले दोनों बहनों ने आश्रम के वॉट्सऐप ग्रुप में दो सुसाइड नोट भेजे थे। उन्होंने आत्महत्या के लिए आश्रम के चार कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आसाराम की तरह ही इनको आजीवन कैद की सजा दिलवाने की अपील की है। शिखा (34) पिछले काफी समय से ब्रह्माकुमारी आश्रम से जुड़ी थी। चार वर्ष पहले जगनेर में बसई रोड पर ब्रह्माकुमारी आश्रम की स्थापना के बाद वहां रहने लगीं।

लड़की की आत्महत्या के बाद बड़ा एक्शन, आरोपी के पिता की दुकान पर चला बुलडोजर

लखीमपुरः यूपी के लखीमपुर खीरी में आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद लड़की की आत्महत्या करने के मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। रविवार को आरोपी युवक के पिता की दुकान पर बुलडोजर चला दिया। प्रशासन का दावा है कि यह दुकान लोक निर्माण विभाग की जमीन पर अवैध रूप से बनी हुई थी। कस्बे में एक दिन पहले हुए भारी बवाल के बाद प्रशासन रविवार को मुस्तैद दिखा। एसपी गणेश प्रसाद साहा भी सुबह से कस्बे में पहुंच गए। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर कार्रवाई का हिस्सा आश्वासन दिया है। उधर क्षेत्रीय विधायक रोमी साहनी भी किशोरी के परिजनों से मिलने पहुंचे और आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया।

गुरुवार को इलाके की एक 17 वर्षीय किशोरी ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी। किशोरी की मां ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले पड़ोस में रहने वाले दूसरे समुदाय के युवक ने उसका आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वायरल वीडियो के संबंध में जब किशोरी के घर वाले आरोपी युवक के घर वालों के पास शिकायत करने गए तो उन्होंने मारपीट की और धर्म बदलने को कह दिया। इस बात से आहत किशोरी ने जान दे दी थी। इस घटना को लेकर सम्पूर्णानगर कस्बे में भारी आक्रोश था। शनिवार को आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाए जाने की मांग को लेकर भारी बवाल हो गया था। आरोपी की दुकान तोड़ रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठियां भांजी थी।

इसके बाद भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव किया। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह, एसपी गणेश प्रसाद शाह आईजी लखनऊ तरुण गाबा के पहुंचने पर हालात संभाल सके थे। उधर रविवार को भी प्रशासन कस्बे के सड़कों पर मुस्तैद रहा। पुलिस और एसएसबी के जवान गश्त करते रहे। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने आरोपी युवक के पिता की दुकान की नाप कराई। इसके बाद यह दुकान लोक निर्माण विभाग की जमीन पर पाए जाने पर उसे पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया।

घर से भागे प्रेमी जोड़े की सड़क हादसे में मौत

वाराणसी : वाराणसी में शुक्रवार को सड़क हादसे में एक प्रेमी जोड़े को जान गंवानी पड़ी। ऐढ़े के समीप रिंगरोड पर गलत लेन में घुसने से युवक व युवती की जान चली गई। वाराणसी में आजमगढ़ बाईपास के निकट ऐढ़े (लालपुर–पांडेयपुर) के पास रिंगरोड पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक–युवती की कुचलकर मौत हो गई। पहचान होने पर दोनों के परिजन थाने पहुंचे। युवती के पिता लालपुर–पांडेयपुर थाने पहुंचे और ट्रक चालक के खिलाफ तहरीर दी।

जौनपुर जिले के चंदवक थाना क्षेत्र के अमरौना निवासी समीर (28 वर्ष) अपने बुलट पर एक युवती को बैठककर गलत लेन से हरहुआ की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस बीच सामने से आ रहे ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। सूचना पर लालपुर–पांडेयपुर पुलिस पहुंची। समीर की मौत हो चुकी थी। जबकि युवती की सांसें चल रहीं थीं। आनन फानन में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान कुछ देर बाद उसकी भी मौत हो गई। युवती के पिता ने बताया कि गुरुवार को चंदवक थाने में समीर के खिलाफ बेटी से जबरदस्ती शादी करने, अपहरण और उसे छिपाकर रखने के आरोप में केस दर्ज कराया था।

हादसे में मृत समीर की पहचान उसकी बाइक के चेचिस नंबर से हुई। बाइक पर नंबर अंकित नहीं था। इसके बाद पुलिस ने चेचिस नंबर के आधार पर रजिस्ट्रेशन नंबर पता किया। तब जाकर युवक की पहचान हुई। उसके परिजनों से पूछताछ के आधार पर युवती के बारे में पता चला। दोनों के घरवाले थाने पहुंचे। पुलिस ने ट्रक व बाइक कब्जे में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। लड़के पर पहले से केस दर्ज है उस मामले में भी जांच की जाएगी। वहीं सड़क हादसे के मामले में भी केस दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली–बिहार की ट्रेनों में सीटें फुल, 3 दर्जन से अधिक ट्रेन में वेटिंग बढ़ी

देहरादून : त्योहारी सीजन शुरू होते ही ट्रेनों में सीटें फुल हो गई हैं। यूपी–वढ, दिल्ली–एनसीआर, एमपी, बिहार, आदि राज्यों से आने और जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग चल रही है। वंदे भारत एक्सप्रेस समेत करीब तीन दर्जन से अधिक ट्रेनों में सीटों की वेटिंग बढ़ गई है।

स्लीपर क्लास से लेकर एसी 3 टायर, एसी 2 टायर आदि कोचों में रिजर्वेशन में वेटिंग चल रही है। लंबी दूरी पर चलने वाली ट्रेनों में सीटों की वेटिंग अधिक है। ट्रेनों में सीटें फुल होने की वजह से रेल यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

त्योहारी सीजन शुरू हो गया है, ट्रेनों में सीट के लिए मारामारी होने लगी हैं। उत्तराखंड के देहरादून, कोटद्वार, हल्द्वानी आदि शहरों से यूपी, दिल्ली, बिहार, एमपी, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के लिए चलने वाली लंबी दूरी की ज्यादातर ट्रेनें नवंबर लास्ट तक पैक हो चुकी हैं। देशभर के कई राज्यों में चलने वाली ट्रेनों में अब लंबी वेटिंग चल रही है, बावजूद अभी तक ना तो रेलवे ने देहरादून फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की और ना ही किसी ट्रेन में कोच बढ़ाए गए हैं। इसका खामियाजा रेल यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। त्योहारी सीजन में रेलवे ने फेस्टिवल स्पेशल के नाम से ट्रेनें चला है। मुरादाबाद मंडल में भी कई शहरों से स्पेशल ट्रेनें चलने लगी हैं। लेकिन देहरादून के लिए अभी तक एक भी ट्रेन की घोषणा नहीं हो पाई। जबकि दून से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में सीट के लिए मारामारी हो रही हैं। देहरादून से वाराणसी जाने वाली जनता एक्सप्रेस 20 नवंबर तक फुल चल रही है। सभी श्रेणी के कोच में लंबी वेटिंग चल रही है। वाराणसी से देहरादून आने वाली जनता भी 30 नवंबर तक पैक है। अब वेटिंग चल रही है। वहीं, देहरादून से मुज्जफरपुर और गोरखपुर जाने और वहां से आने वाली राप्तीगंगा एक्सप्रेस भी दिवाली के बाद तक पैक चल रही हैं। हावड़ा जाने और वहां से आने वाली उपासना एक्सप्रेस में भी सीट के लिए मारामारी हो रही है। सीट नहीं मिलने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। देहरादून से दिल्ली और यूपी जाने और वहां से आने वाली ट्रेनों में खास भीड़ नहीं है।

वंदे भारत जैसी आधुनिक और सुविधायुक्त ट्रेन में भी दिवाली के आसपास सीट मिल जा रही हैं। रेल अधिकारियों का कहना है कि ज्यादा दबाव लंबी दूरी की ट्रेनों में है। छोटी दूरी की ट्रेनों में भीड़ नहीं होने का कारण बस सेवाएं हैं। ऐसे शहरों के लिए यात्रियों को बस सेवाएं मिल जाती हैं। त्योहारी सीजन में लंबी दूरी की ट्रेनों में ज्यादा भीड़ होती है, अभी तक दून से स्पेशल ट्रेन चलाने की कोई तैयारी नहीं है। भीड़ बढ़ने पर कुछ ट्रेनों में कोच जरूर बढ़ाए जाते हैं। रेल यात्रियों से अपील है कि वह यात्रा से पहले अपनी सीटें जरूर बुक करवा लें।

गोरखपुर में भीषण सड़क हादसा, खड़ी बस में ट्रक ने मारी टक्कर

गोरखपुर : गोरखपुर–कुशीनगर हाईवे पर जगदीशपुर के पास गुरुवार देर रात करीब 11 बजे सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी बस में टक्कर मार दी। दुर्घटना में छह बस यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 26 यात्री घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज भेजा गया है। इनमें से भी कई की स्थिति गंभीर है। दुर्घटना की सूचना पर एसपी सिटी सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

बताया जा रहा है कि गोरखपुर से एक अनुबंधित बस सवारियों को लेकर कुशीनगर के पडरौना जा रही थी। जगदीशपुर के मझ्झपुर के पास बस का पहिया पंक्चर हो गया। बस को सड़क के किनारे खड़ी करके चालक और कंडक्टर दूसरी बस में सवारियों को बैठा रहे थे। कुछ सवारियां बस में बैठ गई थीं जबकि कुछ दोनों बसों के बीच खड़ी थीं। इसी बीच एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीन अन्य की भी मौक हो गई। कई अन्य यात्रियों की हालत भी गंभीर है। उधर, दुर्घटना के बाद अफसरों ने सदर अस्पताल और मेडिकल कालेज के डॉक्टरों को अलर्ट किया। भारी संख्या में घायलों के पहुंचने पर डॉक्टरों को बुला लिया गया है। दुर्घटनास्थल पर पहुंची पांच एंबुलेंस से घायलों को सदर और मेडिकल कालेज ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि बस में 30 से ज्यादा लोग सवार थे।

6 में तीन मृतक कुशीनगर के रहने वाले नितीश सिंह (25) पुत्र अशोक सिंह निवासी मदरहा, हाटा कोतवाली, कुशीनगर सुरेश चौहान (35) पुत्र जवाहिर चौहान, निवासी रूदौलिया, थाना तुर्कपट्टी, कुशीनगर हिमांशु यादव (24) पुत्र बनारसी यादव, निवासी मिश्रीपट्टी पडरौना, कुशीनगर

शैलेष पटेल (इसके बारे में अभी पता नहीं चल सका है)

हाजीपुर : हैंडपंप में उतरे करेंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

मऊः थाना क्षेत्र के नुरूल्लाहपुर में हैण्डपम्प में उतरे करेंट की चपेट में आने से एक युवा मजदूर की मौत हो गई। मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं समूचे गांव में सन्नाटा पसर गया।

> दोपहर के बाद पानी लेने के लिए जैसे ही हैंडपंप को पकड़ कर चलाने का प्रयास किया तो हैंडपंप में पहले से उतर रहे करेंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया।

नुरूल्लाहपुर निवासी 18 वर्षीय विजय यादव उर्फ चिरागन पुत्र राजेश यादव एक दिहाड़ी मजदूर है। वह शुक्रवार को गांव में एक मकान निर्माण कार्य में मजदूरी करने गया था। जहां दोपहर के बाद पानी लेने के लिए जैसे ही हैंडपंप को पकड़ कर चलाने का प्रयास किया तो हैंडपंप में पहले से उतर रहे करेंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना को देख परिजनों ने झुलसे युवक को आनन–फानन में घोसी स्थित एक नीजि अस्पताल में भर्ती कराया। जहां जांचोपरांत चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मजदूर के निधन की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद सांत्वना देने के लिए सैकड़ों ग्रामीण दरवाजे पर इकट्ठा हो गए। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम शव का दाहसंस्कार कर दिया। मृतक अपने तीन भाईयों में सबसे बड़ा था। विजय यादव के पिता भी दिहाड़ी मजदूर हैं। दोपहर के बाद पानी लेने के लिए जैसे ही हैंडपंप को पकड़ कर चलाने का प्रयास किया तो हैंडपंप में पहले से उतर रहे करेंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना को देख परिजनों ने झुलसे युवक को आनन–फानन में घोसी स्थित एक नीजि अस्पताल में भर्ती कराया। जहां जांचोपरांत चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मजदूर के निधन की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद सांत्वना देने के लिए सैकड़ों ग्रामीण दरवाजे पर इकट्ठा हो गए।

आवश्यकता, नाम परिवर्तन, खोया–पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें –9456884327

संपादकीय

चिंताजनक हैं लगातार आते भूकंप

भूकंप एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है, जिसके बारे में कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता है और यह धरती के किसी भी कोने में कहर बरपा सकता है. भूकंप के कारणों में सबसे प्रमुख है टेक्टोनिक प्लेट, जो पृथ्वी के गर्भ में लावा के उपर बहती रहती है और जब उनमें टकराव होता है, तब भूकंप आता है. ज्वालामुखी फटने के कारण भी भूकंपीय गतिविधियां देखी गयी हैं. भूमि के भीतर किसी भी तरह का कोई भी विस्फोट होगा, उसके कारण भी कंपन पैदा होते हैं. साथ ही, मनुष्य की अत्यधिक गतिविधियां भी इसका कारण बनती हैं.

> सबसे पुराने भूकंप की हमारी जानकारी चीन की है, जो 1177 बीसी में आया था. दूसरी जानकारी 1505 में आये नेपाल के भूकंप की है. साल 1555 में कश्मीर में बड़ा भूकंप आया था. साल 1618 में मुंबई में भूकंप आया और 1803 में उत्तराखंड में भूकंप ने जान-माल का बड़ा नुकसान किया.

माना गया है कि जिस तरह हम ढांचागत विकास कर रहे हैं और बड़े-बड़े बांध बना रहे हैं, वे कहीं पृथ्वी पर दबाव बनाते हैं और दबाव ऊर्जा भूकंप के रूप में हमारे सामने आती है. भूकंप की परिभाषा को केवल एक ही तरह से समझा जा सकता है कि किन्हीं कारणों से पृथ्वी के अंदर से कोई भी ऊर्जा, जो पृथ्वी की सतह यानी लिथोस्फेयर में आती है, भूकंप का कारण बनती है. पाया गया है कि 1960 और 1970 के बीच हर वर्ष करीब 100 छोटे-मोटे भूकंप आते रहे, पर 2000 और 2010 के बीच में इनकी संख्या बढ़कर 500 से 600 हो गयी. अपने देश के संदर्भ में देखें, तो जब-जब इंडियन प्लेट एशियन प्लेट से टकराती है, तो उससे पैदा भूकंप एशिया महाद्वीप के लिए ज्यादा घातक सिद्ध हुआ है.इन प्लेटों के चलने की दर करीब 45 मिलीमीटर प्रति वर्ष है. हिमालय के संदर्भ में भूकंप ज्यादा गंभीर माना जाता है क्योंकि हिमालय में कई बड़े फॉल्ट (बड़ी दरारें) हैं. जब इनके नीचे कोई तीव्र गतिविधि होगी, वह ज्यादा घातक होगी. ऐसी संभावना भी जतायी जाती है कि हिमालय भूकंप के लिए संवेदनशील है. हिमालय के संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह करीब एक लाख वर्ग किलोमीटर में ग्लेशियर से ढंका है, जिसका भार भी भूकंप के लिए मायने रखता है. यह ग्लेशियर भी पिघलता जा रहा है. आइपीसीसी की रिपोर्ट में भी बताया गया है कि हिमालय की यह क्षति आने वाले समय में हर रूप में बहुत भारी पड़ेगी.

वैज्ञानिकों के अनुसार, हिमालय में हिमखंडों में आइसोस्टेटिक एडजस्टमेंट की एक प्रक्रिया है, जिसका एक खास भार पृथ्वी पर पड़ता है और यह भार भी भूकंप की गति को बढ़ा सकता है. यह भी पाया गया है कि हिमालय का क्षेत्र इसलिए भी संवेदनशील है कि मानसून हर वर्ष बारिश से हिमालय को तर करता है और इसका भार बढ़ने से खासतौर से शीतकालीन भूकंप की आशंका बढ़ती है. साल 1960 में ही रेखांकित किया जा चुका है कि भूकंप में मानव गतिविधियों के प्रभाव को दरकिनार नहीं किया जा सकता है.अगर हम भूकंप का इतिहास टटोलें, तो सबसे पुराने भूकंप की हमारी जानकारी चीन की है, जो 1177 बीसी में आया था. दूसरी जानकारी 1505 में आये नेपाल के भूकंप की है. साल 1555 में कश्मीर में बड़ा भूकंप आया था. साल 1618 में मुंबई में भूकंप आया और 1803 में उत्तराखंड में भूकंप ने जान-माल का बड़ा नुकसान किया.

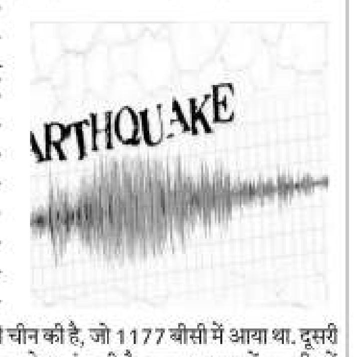

सराहनीय है मुफ्त राशन योजना का विस्तार

अभिजीत मुखोपाध्याय

योजना के लिए अनाज की उपलब्धता पर्याप्त है. सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर इस अनाज की खरीद करती है, जिससे किसान भी लाभान्वित होते हैं. ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में भी आवंटन बढ़ाने की चर्चा है. विभिन्न योजनाओं से हासिल नतीजों तथा अर्थव्यवस्था में बेहतरी से गरीब आबादी के लिए अवसर पैदा होने की उम्मीद की जानी चाहिए.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल तक बढ़ाने की घोषणा की है. आशा है कि जल्दी ही इस योजना के विस्तार पर आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमिटी की मुहर लग जायेगी. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की वर्तमान अवधि इस वर्ष दिसंबर तक है. इसके तहत 81.3 करोड़ लोगों को हर महीने पांच किलो राशन मुफ्त दिया जाता है. आकलन है कि इसे पांच वर्षों के लिए बढ़ाने पर सरकारी कोष से लगभग 11 लाख करोड़ रुपये खर्च करने होंगे. हर साल भारतीय खाद्य निगम राज्यों के सहयोग से इस योजना में 5.5 करोड़ टन से अधिक गेहूं और चावल का वितरण करता है. मुफ्त राशन योजना को सभी 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लागू किया गया है.

उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी से उत्पन्न अप्रत्याशित स्थितियों में सरकार ने अप्रैल 2020 में गरीब कल्याण अन्न योजना को शुरू किया था. तब राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मामूली भुगतान पर राशन पा रहे लाभार्थियों को अतिरिक्त पांच किलो अनाज और एक किलो दाल देने का कार्यक्रम प्रारंभ किया था. उस समय इस अधिनियम के अंतर्गत लाभार्थी तीन रुपये प्रति किलोग्राम की दर से चावल तथा दो रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गेहूं खरीद सकते थे. पिछले वर्ष दिसंबर में खाद्य सुरक्षा योजना और गरीब कल्याण योजना का विलय कर दिया गया. साथ ही, राशन के लिए मामूली रकम देने का नियम भी हटा दिया गया.

केंद्र सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर अब तक लगभग चार लाख करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है. वर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्रीय बजट में मुफ्त राशन योजना के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. कोविड महामारी की वजह से जो अर्थव्यवस्था को झटका लगा था, उससे हम लगभग उबर चुके हैं और अर्थव्यवस्था पटरी पर आ चुकी है. लेकिन वर्तमान आर्थिक वृद्धि की दर नुकसान की तुरंत भरपाई और विकास की आकांक्षाओं को देखते हुए समुचित नहीं है. महामारी से सबसे अधिक नुकसान असंगठित क्षेत्र तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को हुआ था. हालांकि सरकार ने उद्यमों को फिर से खड़ा करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए अनेक राहत तथा योजनाओं को चलाया है तथा उनके सकारात्मक परिणाम भी आ रहे हैं, लेकिन अभी भी असंगठित क्षेत्र और छोटे उद्यमों के क्षेत्र में वह स्थिति नहीं बन सकी है, जैसी महामारी से पहले थी. यही कारण है कि बड़ी संख्या में गरीब आबादी को काम के मौके नहीं मिल पा रहे हैं. इसके अलावा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमजोरी को पूरा ठीक नहीं किया जा सका है.

इस पृष्ठभूमि में मुफ्त राशन योजना की अवधि बढ़ाने की आवश्यकता थी और ऐसा कर प्रधानमंत्री मोदी ने सराहनीय कदम उठाया है. अवधि बढ़ाने के साथ-साथ इस योजना के लाभार्थियों की संख्या में भी बढ़ोतरी की जानी चाहिए, चाहे खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत चलने वाली राशन योजना हो या गरीब कल्याण अन्न योजना, अन्न वितरण का आधार राशन कार्ड होता है. राज्य सरकारें जनगणना के आंकड़ों के आधार पर राशन कार्ड जारी करती हैं. चूंकि 2021 में होने वाली जनगणना अभी तक नहीं हो पायी है, इसलिए 2011 के बाद बढ़ी आबादी का हमारे पास लेखा-जोखा नहीं है. इसके अलावा, यह भी जगजाहिर है कि राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया में अनेक खामियां हैं.कोरोना काल में सभी जरूरतमंदों को अनाज देने की घोषणा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा हुई थीं, पर अब वह दौर बीत चुका है. आधार कार्ड से संबंधित कई शिकायतें भी हैं, जिनमें कहा गया है कि लाभार्थी की ठीक से पहचान नहीं हो रही है या खोया हुआ आधार कार्ड दुबारा बनाना मुश्किल हो रहा है. इस तरह की शिकायतें ग्रामीण रोजगार योजना में भी आयी हैं. मुफ्त राशन योजना में कहा गया है कि इसके तहत 75 फीसदी ग्रामीण तथा 50 फीसदी शहरी आबादी को लाभ पहुंचाना है. इस आधार पर जो अभी 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है, उस गिनती का आधार 2011 की जनगणना है. अगर वर्तमान के 140 करोड़ से अधिक आबादी के आकलन को माना जाए, तो लाभार्थियों की संख्या लगभग 95 करोड़ होनी चाहिए. जुलाई 2020 में सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से कहा था कि जनगणना के अभाव में उसे आकलनों के आधार पर कार्यक्रम बनाने चाहिए. तो, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी गरीबों की पहचान ठीक से हो और उन्हें योजना का लाभ मिले.जैसा कि पहले उल्लिखित किया गया है, मुफ्त राशन योजना को पांच साल के लिए बढ़ाने से सरकार के कोष से 11 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे. निश्चित रूप से इसका असर वित्तीय घाटा पर होगा. उसे किस तरह कम किया जा सकता है, इस पर विचार किया जाना चाहिए ताकि विकास परियोजनाओं और अन्य कल्याण कार्यक्रमों को भी सुचारु रूप से चलाया जा सके. हालांकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के संग्रहण में लगातार वृद्धि हो रही है, पर दूसरी ओर सरकारी कर्ज भी बढ़ रहा है. इस चर्चा में यह भी जोड़ा जाना चाहिए कि अनेक सरकारों ने अपने स्तर पर अन्न योजना के तहत दिये जा रहे अनाज की मात्रा में वृद्धि की है. स्वाभाविक है कि उसका खर्च राज्यों को देना होता है. कई राज्य ऐसे हैं, जिनके वित्तीय स्वास्थ्य के बारे में सवाल उठे हैं.आबादी के एक बड़े हिस्से की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए तथा मुफ्त राशन योजना जैसे कार्यक्रमों की जरूरत है, लेकिन हमें इसके वित्तीय प्रभाव को अनदेखा नहीं करना चाहिए. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को देखते हुए सरकार ने गेहूं और चावल के निर्यात पर रोक लगायी है. जलवायु परिवर्तन का असर खेती पर पड़ रहा है. कुछ आंतरिक कारणों और कुछ पदार्थों के महंगे आयात के कारण खाद्य मुद्रास्फीति भी एक चिंताजनक मसला है. संतोषजनक है कि देश में अनाज उत्पादन समुचित है तथा उसे बढ़ाने और मोटे अनाजों को प्रोत्साहित करने के प्रयास हो रहे हैं.मुफ्त राशन योजना से बड़ी आबादी को पोषण भी मिल रहा है. इन सब पहलुओं को देखते हुए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल के लिए बढ़ाया जाना स्वागतयोग्य है. योजना के लिए अनाज की उपलब्धता पर्याप्त है. सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर इस अनाज की खरीद करती है, जिससे किसान भी लाभान्वित होते हैं. ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में भी आवंटन बढ़ाने की चर्चा है. विभिन्न योजनाओं से हासिल नतीजों तथा अर्थव्यवस्था में बेहतरी से गरीब आबादी के लिए अवसर पैदा होने की उम्मीद की जानी चाहिए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं.)**

बिजनेस

ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग एप हाल के वर्षों में एक बड़ी समस्या के रूप में उभरे है

दिल्ली : तकनीक के निरंतर विकास से जहां सुविधाओं एवं सेवाओं में बेहतरी हो रही हैं, वहीं इससे कई तरह की समस्याएं भी पैदा हो रही हैं. मोबाइल एप के द्वारा डाटा चोरी, हैकिंग, धोखाधड़ी आदि की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं. अब ऑनलाइन सट्टा और जुआ से हवाला कारोबार करने के मामले भी सामने आने लगे हैं. ऐसी ही शिकायतों के आधार पर भारत सरकार ने ऑनलाइन सट्टा व्यवसाय से जुड़े 22 अवैध एप और वेबसाइटों को ब्लॉक करने का आदेश दिया है. यह निर्णय प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के अनुरोध पर लिया गया है. इडी कुछ एप के जरिये कथित रूप से हवाला से पैसे बाहर भेजने के मामलों की जांच कर रही है.

ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग एप और वेबसाइट हाल के वर्षों में एक बड़ी समस्या के रूप में उभरे हैं. उल्लेखनीय है कि पहले सरकार सौ से अधिक ऐसे एप को प्रतिबंधित कर चुकी है, जो भारतीय उपयोगकर्ताओं के डाटा गैरकानूनी ढंग से देश के बाहर भेज रहे थे. कुछ माह पहले खबर आयी थी कि गुजरात में एक चीनी नागरिक ने स्थानीय सहयोगियों के साथ मिलकर फुटबॉल बेटिंग धोखाधड़ी में केवल नौ दिन में 12 सौ लोगों से 14 सौ करोड़ रुपये की ठगी की थी. अनेक राज्यों से इस तरह के अपराध के मामले सामने आ चुके हैं. एप से कर्ज देकर लोगों को किस्त के चंगुल में फंसाने का सिलसिला भी चल रहा है.मोबाइल की लत से ग्रस्त लोगों में बड़ी संख्या किशोरों एवं युवाओं की है. यही लोग गेमिंग और बेटिंग एप के झांसे में भी सबसे अधिक आते हैं. खेल के प्रति इनका आकर्षण इन्हें वित्तीय रूप से फंसा देता है. वे न केवल अपना समय और पैसा गंवाते हैं, बल्कि उनके डाटा का भी दुरुपयोग होता है. गेमिंग हो, बेटिंग हो या लोन हो, अधिकतर एप देश के बाहर से संचालित होते हैं. अपराधियों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह भारत में भी अपने सहयोगी खोज लेते हैं. सरकार और अदालत की ओर से जुआ और सट्टे को लेकर दिशा-निर्देश हैं, कई कानून भी हैं, लेकिन इस तकनीकी युग में पुलिस के लिए अपराधों की तह में पहुंच पाना बहुत मुश्किल होता है.

इस तरह के एप, वेबसाइट और भुगतान प्रक्रिया को दुनिया की सबसे बड़ी तकनीकी कंपनियां प्लेटफॉर्म मुहैया कराती हैं. उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपराध को जगह न मिले. सरकार को भी इन्हें आगाह करना चाहिए. सभी राज्यों में पुलिस महकमे में साइबर क्राइम रोकने के लिए अलग से विभाग बनाये गये हैं. कानून-व्यवस्था राज्यों की जिम्मेदारी है. उन्हें अधिक सजग होना चाहिए. गंभीर होती चुनौतियों को देखते हुए केंद्र सरकार को नियमों और कानूनों को अधिक धारदार बनाने के प्रयास करना चाहिए.

माफिया अतीक अहमद की पुलिस ने खोज निकाली लखनऊ में करोड़ों की बेनामी संपत्ति

नई दिल्ली: माफिया अतीक अहमद के आर्थिक साम्राज्य को ढहाने में जुटी कमिश्नरेट पुलिस ने लखनऊमें उसकी करोड़ों की बेनामी संपत्ति खोज निकाली है. माफिया ने यह संपत्ति राजधानी के बेहद पॉश इलाके में ठेकेदार के नाम पर खरीदा था. संपत्ति का पता चलने के बाद ठेकेदार का परिवार रडार पर आ गया है. धूमनगंज थाने में दर्ज गैंगस्टर के मुकदमे में पुलिस अतीक की अपराध से अर्जित संपत्ति तलाशने में जुटी है. इसी क्रम में पता चला कि माफिया ने लखनऊ के महानगर कॉलोनी में एक फ्लैट अपने करीबी ठेकेदार के नाम पर खरीदा था. जानकारी जुटाने पर यह बात सामने आई कि यह फ्लैट करेली के जीटीबी नगर निवासी सिंचाई विभाग के एक ठेकेदार के नाम पर खरीदा गया था. इस फ्लैट की 2012 में रजिस्ट्री कराई गई थी. पुलिस को यह भी पता चला कि ठेकेदार अतीक का करीबी रहा है. उसकी कुछ वर्षों पहले मौत हो चुकी है. महज 30 लाख रुपये में खरीदे गए इस फ्लैट की कीमत वर्तमान में करोड़ों में है. जिस वक्त यह फ्लैट खरीदा गया, उस दौरान बैनामे में सरकारी मालियत से कम मूल्य चुकाने की भी बात सामने आई है.

पुलिस जब जांच के लिए ठेकेदार की पत्नी के पास पहुंची तो उसने बताया कि फ्लैट उसके पति ने खरीदा था. अतीक ने जबरन इसकी चाबी ले ली थी. फ्लैट लेते वक्त कहा था कि कुछ दिनों के लिए उसके किसी परिचित को रहना है. इसके बाद उसने चाबी वापस नहीं की. फिर लगातार उसके लोगों का ही फ्लैट पर कब्जा बना रहा. महिला की बातों में कितनी सच्चाई है, यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा. फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में युद्धस्तर पर जुटी है.

बात भी सामने आई है कि बेनामी संपत्ति के रूप में चिह्नित इस फ्लैट में अतीक का बेटा असद अपने दोस्त आतिन जफर के साथ रहता था. दोनों यहीं रहकर लखनऊजेल में बंद अतीक के कारोबार को संचालित करते थे. साथ ही माफिया के बड़े बेटे उमर व आतिन के पिता से मिलते-जुलते थे.

अगले सप्ताह उत्तराखंड में लागू होगा समान नागरिक संहिता, इतिहास रचने को धामी तैयार

नई दिल्ली

देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड-यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनने जा रहा है। सूत्रों की बात मानें तो सीएम पुष्कर सिंह धामी सरकार की ओर से यूसीसी को लागू करने की पूरी तैयारी कर चुकी है।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई के नेतृत्व में गठित एक समिति अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को समान नागरिक संहिता पर एक रिपोर्टसौंप सकती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दिवाली के अगले सप्ताह उत्तराखंड विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाया जाएगा।

सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पारित किया सकता है, जिससे इसे कानूनी दर्जा दिया जाएगा। इस साल जून में, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) मसौदा समिति के सदस्य, सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने कहा कि उत्तराखंड के लिए समान नागरिक संहिता का मसौदातैयार हो चुका है और जल्द ही उत्तराखंड सरकार को सौंप दिया जाएगा।मुझे आपको यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि उत्तराखंड में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता का मसौदा अब पूरा हो गया है।₹ न्यायमूर्ति देसाई ने कहा, ₹मसौदे के साथ विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट उत्तराखंड सरकार को सौंपी जाएगी।

इस साल जून में, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) मसौदा समिति के सदस्य, सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने कहा कि उत्तराखंड के लिए समान नागरिक संहिता का मसौदातैयार हो चुका है और जल्द ही उत्तराखंड सरकार को सौंप दिया जाएगा।

इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी कहा कि उत्तराखंड के नक्शेकदम पर चलते हुए गुजरात भी 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले समान नागरिक संहिता लागू कर सकता है। इस कदम के साथ ही गुजरात समान नागरिक संहिता लागू करने वाला दूसरा राज्य बन जाएगा।

क्या है यूनिफॉर्म सिविल कोड(यूसीसी) समान नागरिक संहिता

यूनिफॉर्म सिविल कोड(यूसीसी) समान नागरिक संहिता में लैंगिक समानता और पैतृक संपत्तियों में बेटियों के लिए समान अधिकार पर जोर दिया गया है।

सूत्रों की बात मानें तो यह महिलाओं की विवाह योग्य आयु को बढ़ाकर 21 वर्ष करने का सुझाव नहीं देता है। समिति की सिफारिश में कहा गया है कि महिलाओं के लिए विवाह की आयु 18 वर्ष ही बरकरार रखी जानी चाहिए।यह एक ऐसा कानून बनाना है जो शादी, तलाक, विरासत और गोद लेने से संबंधित मामलों में सभी धर्मों पर लागू होगा। विधेयक का विशेषतौर पर विवाह पंजीकरण, तलाक, संपत्ति अधिकार, अंतर-राज्य संपत्ति अधिकार, रखरखाव, बच्चों की हिरासत आदि में एकरूपता पर फोकस है।

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार
TitleCode: UPHIN51223
मोबाइल नंबर
9456884327
Officialsabkasapna@gmail.com
www.sabkasapna.com
नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

त्योहारों की उमंग जीवन में भरे रंग

भारतीय जनजीवन में त्योहारों और उत्सवों का आदिकाल से ही काफी महत्त्व रहा है. यहां मनाए जाने वाले सभी त्योहार मानवीय गुणों को स्थापित कर लोगों में प्रेम, एकता व सद्भावना को बढ़ाने का संदेश देते हैं. दरअसल, ये त्योहार ही हैं जो परिवारों और समाज को जोड़ते हैं. त्योहार हमारी संवेदनाओं और परंपराओं के ऐसे जीवंत रूप हैं जिन्हें मनाना या यों कहें कि बारबार मनाना हमें अच्छा लगता है क्योंकि अनोखे रंग समेटे त्योहार हमारे जीवन में उमंग और उत्साह की नई लहरों को जन्म देते हैं.

त्योहार जीवन को खुशहाल व रिश्तों को मजबूत बनाने में एक अटूट कड़ी की भूमिका निभाते हैं.

होली का त्योहार जहां मस्ती और मौज का संदेश देता है वहीं दीवाली अंधकार को दूर कर के जीवन में रोशनी भरने का.

त्योहार अच्छा खाना, अच्छा पहनना, खुश रहने और जीवन को खुशनुमा बढ़ाने का श्रेष्ठ माध्यम होते हैं.

ऐतिहासिक विरासत और जीवंत संस्कृति के सूचक ये त्योहार विदेशियों के समक्ष भी हमारे सरस और सजीले सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन करते हैं और हमें गौरवान्वित होने का अवसर देते हैं.

जीवन को नई ताजगी देते त्योहार जीवन में जीने का उत्साह और उल्लास का रंग भरते हैं जिस से जीने का हौसला दोगुना हो जाता है. रोजमर्रा की परेशानियों को भुला कर हमें सजनेसंवरने और नए स्वाद चखने का भी अवसर देते हैं ये त्योहार.

रोशनी का त्योहार

अमावस्या के अंधकार में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यानी अंधेरे से रोशनी की तरफ जाने का संदेश देता दीवाली का त्योहार आकाश में पटाखों की रोशनी और समृद्धि की अभिव्यक्ति है. आशाओं के उत्सव के रूप में मनाए जाने वाले इस त्योहार का महत्त्व जीवन के अनमोल पहलुओं से जुड़ा हुआ है. इस का उद्देश्य भाईचारे को बढ़ाते हुए एकदूसरे के दुखसुख का हमसफर बनना है.

बदलते समय के साथ बदल रहा है समाज और बदल रहा है त्योहारों को मनाने का अंदाज भी. 'मैं तो लूंगा खीलखिलौने तुम भी लेना भाई' की जगह अब औनलाइन गिफ्टिंग, हाईटैक डिजिटल दीवाली और मौल संस्कृति का नया रूप देखने को मिल रहा है. आइए, नजदीक से देखें दीवाली के बदले रूप को.

उद्योग जगत के एक अनुमान के अनुसार, औनलाइन गिफ्टिंग का बाजार 1,000 करोड़ रुपए से अधिक का है. औनलाइन गिफ्टिंग के जरिए दूर बैठे अपनों को उपहारों के जरिए दीवाली की खुशियां बांटने का यह माध्यम दिनोंदिन जोर पकड़ रहा है. गिफ्टिंग का यह बदला अंदाज दूरियों को नजदीकियों में बदलने का बेहतर माध्यम सिद्ध हो रहा है.मिठाइयों, चौकलेट्स, कार्ड्स, फ्लावर बुके, ज्वैलरी, कौर्पोरेट गिफ्ट्स सभीकुछ औनलाइन शौपिंग साइट्स पर मौजूद हैं. इन साइट्स पर पीवीआर मूवी गिफ्ट कार्ड्स, कैफेकौफी डे गिफ्ट वाउचर्स, स्पा सैलून की अनेक स्कीम्स भी मौजूद हैं जिन्हें आप बस एक क्लिक पर अपनों को, वे चाहे कहीं भी हों उपहारस्वरूप दे कर उन की खुशियों में अपनी खुशियां ढूंढ़ सकते हैं.बढ़ते उपयोगी उपहार

चौकलेट के विज्ञापनों ने भारतीय रिश्तों व परिवार के आपसी प्रेम को त्योहारों से जोड़ दिया है, फिर चाहे वह रोशनी का त्योहार दीवाली हो या भाईबहन के अटूट बंधन का रक्षाबंधन. विदेशी कंपनियां भारतीय त्योहारों को ध्यान में रख कर अपने प्रौडक्ट लौंच कर रही हैं. हाटबाजारों, मेलों की जगह मौल संस्कृति जन्म ले रही है. बाजारों में सस्ते और विभिन्न वैरायटी के इतने उपहार मौजूद हैं कि आप के लिए चुनना मुश्किल हो जाएगा. यह बदलाव व नयापन अच्छा तभी होगा जब वह समाज के हर वर्ग के हित में हो, विदेशी कंपनियों के कुचक्रमें छोटे व्यापारियों के हितों की बलि न चढ़े और बाजारीकरण हावी न हो.

दीवाली की खुशियां आप की जिंदगी में ताउम्र बनी रहें, इस के लिए आप भी पूरे करें वे वादे जो आप को और आप के अपनों को सही माने में दीवाली की खुशियां दें.बड़ों को खुशियां देने का वादा : रोहित के बुजुर्ग पिता घुटनों में दर्द की शिकायत से परेशान रहते थे. प्राइवेट नौकरी की भागदौड़ में रोहित समझ नहीं पा रहा था कि कैसे वह अपने पिता की तकलीफ दूर करे. ऐसे में रोहित के एक दोस्त ने उसे सलाह दी कि वह अपने पिता को एक मसाजर गिफ्ट करे. रोहित ने दोस्त की सलाह मान कर अपने पिता को मसाजर गिफ्ट किया. मसाजर से रोहित के पिता की तकलीफ दूर हो गई और रोहित को यह खुशी हुई कि उस ने अपने पिता के लिए कुछ किया.दरअसल, कई बार नौकरी व व्यवसाय की भागदौड़ में हम उन की परेशानियों और जरूरतों को समझ नहीं पाते. ऐसे में छोटीछोटी बातों से कुछ ऐसा करें जिन से वे खुश रहें, वे खुश रहेंगे तो आप भी खुश रहेंगे.बच्चों को समय देने का वादा : बच्चे हमारे जीवन की सब से बड़ी पूंजी होते हैं. उन के विकास के लिए हम उन्हें अच्छी शिक्षा, सुखसुविधाओं के साथसाथ समयसमय पर उपहार दे कर उन्हें खुशियां देने का प्रयास करते हैं. लेकिन कई बार हम उन की सब से जरूरी जरूरत यानी उन्हें समय देना भूल जाते हैं, उन के साथ हंसीखुशी के पल बांटना भूल जाते हैं. पैरेंटिंग का सब से जरूरी नियम है बच्चों की भावनात्मक जरूरतों को समझना, उन के विचारों, मनोभावों को जानना.

स्वस्थ रहने का वादा : इस दीवाली आप खुद से एक वादा कीजिए कि आप अपने साथसाथ पूरे परिवार को फिट व हैल्दी रखने की जिम्मेदारी उठाएंगे यानी हैल्थ पर विशेष ध्यान देंगे.

'विन से अंधेरे को दूर कर के रोशनी फैलाने वाले इस त्योहार पर आप खुद से वादा करें कि आप 'सेव नेचर सेव लाइफ' पर आधारित ईकोफ्रैंडली दीवाली मनाएंगे और पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त रखने में अपना योगदान देंगे.

ईकोफ्रैंडली पटाखों का इस्तेमाल करेंगे, कैमिकल बेस्ड पटाखों का इस्तेमाल नहीं करेंगे. बिजली की झालरों की जगह परंपरागत मिट्टी के दीयों का इस्तेमाल करेंगे. इस से बिजली की बचत होगी.रंगोली में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करेंगे, जैसे सफेद रंग के लिए चावल पाउडर, लाल रंग के लिए कुमकुम, पीले के लिए हल्दी वगैरह.
घर की सजावट ताजे गेंदे व रजनीगंधा के फूलों से करेंगे. आम के पत्तों व गेंदे के ताजे फूलों की बंदनवार से घर सजाएंगे. पटाखे अकेले अपने परिवार के साथ छोड़ने के बजाय दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ मिल कर छोड़ेंगे.

ईकोफ्रैंडली पटाखों का इस्तेमाल करेंगे, कैमिकल बेस्ड पटाखों का इस्तेमाल नहीं करेंगे. बिजली की झालरों की जगह परंपरागत मिट्टी के दीयों का इस्तेमाल करेंगे. इस से बिजली की बचत होगी.

रंगोली में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करेंगे, जैसे सफेद रंग के लिए चावल पाउडर, लाल रंग के लिए कुमकुम, पीले के लिए हल्दी वगैरह.

घर की सजावट ताजे गेंदे व रजनीगंधा के फूलों से करेंगे. आम के पत्तों व गेंदे के ताजे फूलों की बंदनवार से घर सजाएंगे.

पटाखे अकेले अपने परिवार के साथ छोड़ने के बजाय दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ मिल कर छोड़ेंगे.

बचत का वादा : दीवाली के नजदीक आते ही जहां एक ओर बाजार व शौपिंग मौल रंगबिरंगे उपहारों व सजावटी सामानों से भर जाते हैं वहीं कंपनियां इस समय विभिन्न औफर्स ला कर ग्राहकों को लुभाने का प्रयास करती हैं. नतीजतन, लोगों में 'मौका भी है और दस्तूर भी' की राह पर शौपिंग का क्रेज उमड़ने लगता है, जो बाद में जेब व बजट दोनों पर भारी पड़ता है.

समाज

आज भी लोग अंधविश्वास में फंसे हैं

मुसाफिरों से भरी एक बस झारखंड से बिहार की तरफ जा रही थी. अचानक सुनसान सड़क के दूसरी तरफ से एक सियार पार कर गया. ड्राइवर ने तेजी से ब्रेक लगाए. झटका खाए मुसाफिरों में से एक ने पूछा, ''भाई, बस क्यों रोक दी?''बस के खलासी ने जवाब दिया, ''सड़क के दूसरी तरफ से सियार पार कर गया है, इसलिए बस कुछ देर के लिए रोक दी गई है.''

सभी मुसाफिर भुनभुनाने लगे. कुछ लोग ड्राइवर की होशियारी की चर्चा भी करने लगे.उस अंधेरी रात में जब तक कोई दूसरी गाड़ी सड़क का वह हिस्सा पार नहीं कर गई, तब तक वह बस वहीं खड़ी रही, लेकिन किसी ने यह नहीं कहा कि यह अंधविश्वास है.

सड़क है तो दूसरी तरफ से कोई भी जीवजंतु इधर से उधर पार कर सकता है. यह आम सी बात है. इस में बस रोकने जैसी कोई बात नहीं है, जबकि कई लोग मन ही मन कोई अनहोनी होने से डरने लगे थे.रास्ते के इस पार से उस पार कुत्ता, बिल्ली, सियार जैसे जानवर आजा सकते हैं. इसे अंधविश्वास से जोड़ा जाना ठीक नहीं है. इस के लिए मन में किसी अनहोनी हो जाने का डर पालना भी बिलकुल गलत है.बिहार के रोहतास जिले के डेहरी में बाल काटने वाले सैलून तो सातों दिन खुले रहते हैं. लेकिन, सोनू हेयरकट सैलून के मालिक से पूछे जाने पर वे बताते हैं, ''ग्राहक तो पूरे हफ्ते में महज 4 दिन ही आते हैं. 3 दिन तो हम लोग खाली ही बैठे रहते हैं.

''यहां के ज्यादातर हिंदू मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को बाल नहीं कटवाते हैं. इन 3 दिनों में इक्कादुक्का लोग ही बाल कटवाने आते हैं या फिर जिन का ताल्लुक दूसरे धर्म से रहता है, वे लोग आते हैं.''भले ही लोग 21वीं सदी में जी रहे हैं, लेकिन आज भी हमारी सोच 18वीं सदी वाली है. डेहरी के बाशिंदे विनोद कुमार पेशे से कोयला कारोबारी हैं. उन का एक बेटा है, इसलिए वे सोमवार के दिन बालदाढ़ी नहीं कटवाते हैं.पूछे जाने पर वे हंसते हुए कहते हैं, ''ऐसा रिवाज है कि जिन के एक बेटा होता है, उन के पिता सोमवार के दिन बालदाढ़ी नहीं कटवाते हैं. इस के पीछे कोई खास वजह नहीं है. गांवघर में पहले के ढोंगी ब्राह्मणों ने यह फैला दिया है, तो आज भी यह अंधविश्वास जारी है.''दरअसल, लोगों के मन में सदियों से इस तरह की बेकार की बातें बैठा दी गई हैं, इसीलिए आज भी वे चलन में हैं.

''पहले के लोग सीधेसादे होते थे. इस तरह के पाखंडी ब्राह्मणों ने जो चाहा, वह अपने फायदे के लिए समाज में फैला दिया.''आज भी लोग गांवदेहात में भूतप्रेत, ओझा, डायन वगैरह के बारे में खूब बातें करते हैं. लोगों को यकीन है कि गांव में डायन जादूटोना करती है.औरंगाबाद के एक गांव के रहने वाले रणजीत का कहना है कि उन की पत्नी 2 साल से बीमार है. उन की पत्नी की बीमारी की वजह कुछ और नहीं, बल्कि डायन के जादूटोने के चलते है, इसीलिए वे किसी डाक्टर को दिखाने के बजाय कई सालों से ओझा के पास दिखा रहे हैं. कई सालों से वे मजार पर जाते हैं और चादर चढ़ाते हैं.रोहतास जिले के एक गांव में एक लड़की को जहरीले सांप ने काट लिया था. उस के परिवार वाले बहुत देर तक झाड़फूंक करवाते रहे.झाड़फूंक के बाद मामला जब बिगड़ गया, तो उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे बचाया नहीं जा सका, जबकि अखबार में भी इस के बारे में प्रचारप्रसार किया जाता रहा है कि किसी इनसान को सांप के काटने पर झाड़फूंक नहीं कराएं, बल्कि अस्पताल ले जाएं.

अगर समय रहते उसे अस्पताल ले जाया गया होता तो बचाया जा सकता था. पर आज भी लोग अंधविश्वास के चलते झाड़फूंक पर ज्यादा यकीन करते हैं. अभी भी लोग इलाज कराने के बजाय सांप काटने पर झाड़फूंक करवाना ही ठीक समझते हैं.आज भी लोग झाड़फूंक, मंत्र, जादूटोना वगैरह पर यकीन करने के चलते अपनी जान गंवा रहे हैं. वे यह नहीं समझ पा रहे हैं कि झाड़फूंक करवाने से कुछ नहीं होता है. इस से कोई फायदा नहीं होने वाला है. अगर समय रहतेसांप काटने वाले इनसान का इलाज कराया जाए तो उस की जान बचाई जा सकती थी.

बिहार के कई शहरों में ज्यादातर दुकानदार शनिवार को अपनी दुकान के आगे नीबूमिर्च लटकाते हैं. हर शनिवार की सुबह कुछ लोग नीबूमिर्च को एकसाथ धागे में पिरो कर दुकानदुकान बेचते भी मिल जाते हैं.तकरीबन सभी दुकानदार इसे खरीदते हैं. वे पुरानी लटकी हुई नीबूमिर्च को सड़क पर फेंक देते हैं. लोगों के पैर उस पर न पड़ जाएं, इसलिए लोग बच कर चलते हैं. कई बार तो लोग अपनी गाड़ी के पहिए के नीचे आने से भी इन्हें बचाते हैं. कुछ लोगों का मानना है कि पैरों के नीचे या गाड़ी के नीचे अगर फेंका हुआ नीबू और मिर्च आ जाए तो जिंदगी में परेशानी बढ़ सकती है.

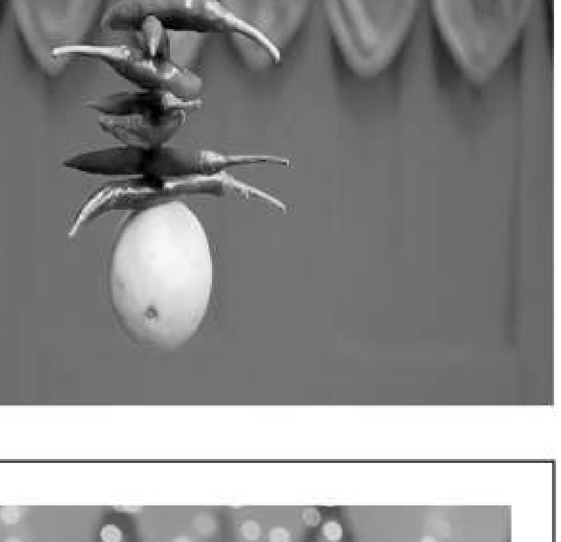

त्यौहारों के मौसम में ऐसे रखें खुद को फिट

इन दिनों कई लोगों का वजन 3—5 किलो तक बढ़ जाता है, इसलिए अपनी प्लेट पर नजर रखनी जरूरी है . लोग बगैर सोचेसमझे सबकुछ खाते चले जाते हैं . हाई कैलोरी फूड अधिक मात्रा में खाने से हमारी पाचनक्रिया धीमी पड़ने लगती है और हम अधिक थकान महसूस करते हैं . त्योहारों के माहौल में ऐसे भोजन से दूर रहना तो संभव नहीं है, लेकिन इन का सेवन कम मात्रा में करें ताकि कैलोरी इनटैक को कंट्रोल में रखा जा सके .

त्यौहार ढेर सारी खुशियां और आनंद लाते हैं लेकिन कई स्वास्थ्य समस्याओं की आशंका को भी बढ़ा देते हैं. ऐसे में जरूरी है कि 'एक दिन की लापरवाही से क्या फर्क पड़ता है' वाला रवैया न अपनाएं और पहले से ही प्लानिंग कर लें ताकि आनंद और उल्लास का यह मौसम आप के लिए स्वास्थ्य समस्याओं का निमंत्रण न बने.

मीठा भोजन ठंडा और भारी होता है और यह कफ बढ़ाता है. ज्यादा मीठा खाने से थकान, भारीपन, भूख कम लगना, अपच जैसी समस्याएं होती हैं. शुगर हाइपरटेंशन बढ़ाती है, मस्तिष्क के संकेतों को दबाती है. मीठे भोजन से कोलेस्ट्रौल बढ़ता है. मिठाइयों को एकसाथ खाने से पेटदर्द, डायरिया, लूज मोशन जैसी समस्याएं शुरू होने की आशंका बढ़ जाती है. इसलिए, मिठाई थोड़ी मात्रा में ही खाएं. हमेशा स्वस्थ्य और पोषक खाद्य पदार्थों का विकल्प चुनें. मिठाइयों के बजाय सूखे मेवे, फल, फ्लेवर्ड दही को प्राथमिकता दें

हमारे देश में मसालेदार भोजन खाने की परंपरा है और त्योहारों के समय तो यह और बढ़ जाती है. मसाले गरम होते हैं. ये शरीर का ताप बढ़ा देते हैं जिस से अनिद्रा की समस्या हो जाती है. अधिक मसालेदार और तीखा खाने से पेट की कई समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं. पेट की अंदरूनी सतह पर सूजन आ जाती है, एसिडिटी की समस्या हो जाती है. अधिक तैलीय व वसायुक्त भोजन करने से रक्तचाप और शुगर का स्तर बढ़ता है. अगर आप के लिए ऐक्सरसाइज करना कठिन हो तो आप दिल खोल कर नाचें. इस से काफी मात्रा में कैलोरी जल जाएंगी. कई प्रकार की मिठाइयां और घी का सेवन करने के बावजूद स्वस्थ रहने के लिए यह सब से अच्छा वर्कआउट हो सकता है.

मिलावटी चीजों से रहें सावधान

कई मिठाइयों में कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है. इन से किडनी स्टोन और कैंसर हो सकता है. ऐसी मिठाई को खाने से उलटी, डायरिया की समस्या हो जाती है. कई दुकानदार लड्डू, पनीर, बर्फी और गुलाबजामुन बनाने में मेटानिल यलो, लेड नाइट्रेट और म्युरिएटिक एसिड का इस्तेमाल करते हैं. इन के सेवन से शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है. मिलावट से बचने के लिए मिठाइयों को घर पर ही बनाएं या किसी अच्छी दुकान से खरीदें.

डाइट प्लान का पालन करें

हैवी ब्रेकफास्ट करें, इस से आप का पेट अधिक समय तक भरा हुआ रहेगा. जो भी खाएं, फाइबर और पोषक तत्त्वों से भरपूर हो. दोपहर के खाने में प्रोटीन की मात्रा अधिक रखें. यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखेगा और आप भोजन कम मात्रा में खाएंगे. अपने फ्रिज और किचन में हैल्दी स्नैक्स, हरी पत्तेदार सब्जियां और फलों के विकल्प अधिक मात्रा में रखें. सफेद चीनी या कृत्रिम स्वीटनर के बजाय प्राकृतिक स्वीटनर जैसे खजूर, शहद या अंजीर का उपयोग करें. आप गुड़ का इस्तेमाल भी कर सकती हैं.

भरपूर मात्रा में पानी पिएं

हर रोज भरपूर मात्रा में पानी पिएं. अपने दिन की शुरुआत पानी से करें. सुबह खाली पेट 1 लिटर पानी पिएं, इस से आप का पाचनतंत्र साफ रहेगा और आप के शरीर में जल का स्तर भी बना रहेगा. यह रक्त से विषैले पदार्थों को भी साफ कर देगा. एक दिन में कम से कम 3 लिटर पानी पिएं. जो लोग पार्टियों में जम कर ड्रिंक करते हैं, ध्यान रखें कि अल्कोहल के कारण डिहाइड्रेशन होता है. नियमित रूप से अधिक मात्रा में पानी का सेवन कर के शरीर से टौक्सिन को निकालने में सहायता करें. पानी शरीर में अल्कोहल के प्रभाव को भी कम करता है.

खरीदारी के लिए जाएं

खरीदारी करना आप के लिए उपयोगी हो सकता है. अपनी शौपिंग की योजना ऐसे बनाएं कि आप को अधिक से अधिक पैदल चलना पड़े. कोशिश करें कि अपनी कार का इस्तेमाल न करें. औनलाइन शौपिंग करने के बजाय अगर आप मौल या लोकल मार्केट में घूमघूम कर शौपिंग करेंगे तो आप अधिक मात्रा में कैलोरी खर्च करेंगे. यह आप के लिए फायदेमंद होगा.

डिटौक्सिफिकेशन तकनीक

मानव शरीर की रचना ऐसी होती है कि वह अपनेआप ही शरीर से हानिकारक रसायनों को निकाल देता है. लेकिन त्योहारों के मौसम में शरीर में टौक्सिंस की मात्रा ज्यादा बढ़ जाती है. अपने शरीर से टौक्सिंस को निकालने का प्रयास करें. चाय और कौफी के बजाय ग्रीन टी का सेवन करें. अपने दिन की शुरुआत एक गिलास गुनगुने पानी से करें जिस में नीबू का रस भी हो, ताकि शरीर से टौक्सिंस निकल जाएं.

हाइपरटैंशन

त्योहारों के मौसम आते ही अधिक कैलोरीयुक्त भोजन का सेवन बढ़ जाता है, जिस से पूरा डाइट प्लान गड़बड़ा जाता है. मिठाइयां घी और चीनी से भरपूर होती हैं जिस से उन में कैलोरी की मात्रा काफी अधिक बढ़ जाती है. त्योहार के दिनों में खानपान में कंट्रोल नहीं होता और यह पाचनतंत्र पर भारी पड़ता है.

सबका सपना समाचार पत्र को पढ़ते हुए बीजेपी जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी।

ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी को **सब का सपना समाचार** पत्र भेंट करते हुए प्रधान संपादक अनुज कुमार गोस्वामी।